श्रावण शुक्ल - 15 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 11 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 02-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, घुसपैठ की घटनाएं कम हुईं

6 शिक्षा बीच में छोड़ने की बढ़ती प्रवृत्ति चिन्ताजनक

7 उम्र मत देखो, किरदार को देखो, रजनीकांत के साथ काम करने पर बोली तमन्ना

फर्स्ट टेक

ट्वीटर ने मुख्यालय में लगा नया 'एक्स' लोगो हटाया

वाशिंगटन/वार्ता। ट्वीटर ने अमेरिका में कैलीफोर्निया प्रांत के सैन फ्रांसिस्को स्थित अपने मुख्यालय की इमारत के ऊपर से बिना अनुमति के लगाए गए 'एक्स' लोगो को हटा दिया है। एनपीआर न्यूज ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक सैन फ्रांसिस्को के भवन निरीक्षण विभाग को इस लोगो को लेकर संरचनात्मक सुरक्षा से संबंधित 24 शिकायतें मिली थी। सैन फ्रांसिस्को बिल्डिंग इंस्पेक्शन विभाग के प्रवक्ता पैट्रिक हन्नान ने कहा कि बिना अनुमति स्थापना के लिए संपत्ति के मालिक से शुल्क का आकलन किया जाएगा।

कर्नाटक सरकार पांच अगस्त को कलबुर्गी में 'गृह ज्योति' योजना की औपचारिक शुरुआत करेगी

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के जे जॉर्ज ने मंगलवार को कहा कि 'गृहज्योति' योजना पांच अगस्त को कलबुर्गी से औपचारिक रूप से शुरू की जायेगी। यह कांग्रेस की पांच चुनावी गारंटियों में से एक है, जिसके तहत परिवारों को प्रतिमाह 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। जॉर्ज ने यहां कहा, हमने घोषणा की थी कि जुलाई से 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त होगी तथा जुलाई का बिल अगस्त में आयेगा। हमने अब बिल देना प्रारंभ किया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत पहले ही 1.42 करोड़ उपभोक्ता पंजीकृत हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री, मंत्रिमंडलीय सहयोगियों, विधायकों और अन्य के सुझाव पर बेंगलुरु के बाहर इस योजना की औपचारिक शुरुआत करने का फैसला किया गया। इसकी शुरुआत पांच अगस्त को कलबुर्गी में की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मौके पर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार एवं अन्य नेता मौजूद रहेंगे।

ब्रिटेन ने यजीदियों के खिलाफ आईएस के अत्याचार को जनसंहार घोषित किया

लंदन/एपी। ब्रिटिश सरकार ने इराक में अल्पसंख्यक यजीदी समुदाय के लोगों के खिलाफ इस्लामिक स्टेट (आईएस) द्वारा किए गए अत्याचारों को मंगलवार को आधिकारिक रूप से जनसंहार घोषित किया। ब्रिटने के विदेश कार्यालय ने कहा कि सरकार की आधिकारिक घोषणा जर्मनी की संघीय अदालत द्वारा दिए गए ऐतिहासिक फैसले के बाद आई है।

02-08-2023 सूर्यास्त 6:35 बजे | 03-08-2023 सूर्योदय 5:54 बजे

BSE	NSE
66,459.31	19,733.55
(-68.36)	(-20.25)

सोना	चांदी
6,195 रु.	80,400 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

साजिश की आग

यह तोड़फोड़ या आगजनी,
क्या कोई भारी साजिश है।
सरकारें क्या सचमुच चिंतित,
या सिर्फ दिखावी मालिश है।
नेता मंत्री भ्रम के शिकार,
रिश्तों में क्योंकर खारिश है।
ये आग जलाई है किसने,
किनके हाथों में माचिस है।।

भारत के लोगों ने देश को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया

देश की नीतियों और देशवासियों के परिश्रम दोनों में आज बेहद भरोसा झलकता है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आज देश में नीतियों और लोगों की कड़ी मेहनत दोनों में बेहद भरोसा (ट्रस्ट सरप्लस) झलकता है। मोदी ने पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही, जिसमें उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने मोदी के साथ मंच साझा किया।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि अविश्वास के माहौल में देश का विकास संभव नहीं होता

मोदी ने भारत की विश्वास की कमी से बेहद भरोसे तक की यात्रा के बारे में बात की। मोदी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा

कि भारत ऐसा देश है जहां लोग अपनी सरकार पर बहुत ज्यादा भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भारत के लोगों ने बड़े बदलाव संभव कर दिखाए हैं। मोदी ने कहा कि भारत के लोगों ने देश को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकमान्य तिलक स्वतंत्र प्रेस के महत्व को समझते थे। मोदी ने कहा, उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की दिशा बदल दी। अंग्रेज उन्हें भारतीय अशांति का जनक कहते थे। मोदी ने कहा, आज देश हर क्षेत्र में खुद पर विश्वास कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आज अगर किसी विदेशी आक्रमणकारी के नाम पर बनी सड़क का नाम बदल दिया जाता है तो कुछ लोग असहज हो जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी रहे लोकमान्य तिलक के नाम पर पुरस्कार पाकर वह सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तिलक के जीवन से हम अनेक चीजें सीख सकते हैं।

मोदी ने कहा, तिलक की भगवद गीता में बहुत आस्था थी। अंग्रेजों ने उन्हें मांडले जेल भेज दिया था, लेकिन वहां भी उन्होंने भगवद गीता का अपना अध्ययन जारी रखा और गीता रहस्य लिखा तथा लोगों को कर्म की शक्ति से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि तिलक ने इस बात पर जोर दिया कि लोग खुद पर विश्वास करें।

प्रधानमंत्री ने कहा, वह उन्हें खुद पर विश्वास दिलाते थे। उस समय जब लोगों ने यह मान लिया था कि गुलामी की जंजीरों को तोड़ना भारत के लिए असंभव है, तो उन्होंने लोगों को स्वतंत्रता का विश्वास दिलाया। उन्हें हमारी परंपराओं पर विश्वास था, उन्हें हमारे लोगों, श्रमिकों पर विश्वास था, उन्हें भारत के समार्थ्य पर विश्वास था। मोदी ने कहा कि अविश्वास के माहौल में देश का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा, कल, मुझे मनोज पोचाट नामक व्यक्ति ने ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने मुझे 10 साल पहले की मेरी पुणे यात्रा की याद दिलाई। मैंने तब फर्ग्यूसन कॉलेज में विश्वास की कमी के बारे में बात की थी। आज, उन्होंने मुझसे विश्वास की कमी से विश्वास में बढ़ोतरी तक की यात्रा के बारे में बोलने का अनुरोध किया था।

लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजे गए मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/वार्ता। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाल गंगाधर तिलक की 103वीं पुण्यतिथि के मौके पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यहां लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मोदी ने यहां एसपी कालेज में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो शरद पवार की मौजूदगी में यह पुरस्कार ग्रहण किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे लोकमान्य तिलक का पुरस्कार मिला, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना पूरा जीवन बलिदान कर दिया। मैं इसलिए भी खुशकिस्मत हूं कि मुझे यह प्रतिष्ठित पुरस्कार लेने के लिए पुणे की इस पवित्र भूमि पर आने का अवसर मिला। उन्होंने कहा यह मेरे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव है।जब कोई पुरस्कार मिलता है तो व्यक्ति की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। मैं यह पुरस्कार 140 करोड़ देशवासियों को समर्पित करता हूं। मैंने इस पुरस्कार की राशि नमामि गंगा प्रोजेक्ट को दान करने का फैसला किया है, जिसका नाम 'बाल गंगाधर तिलक' ही है। इससे पहले मोदी के कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर उनका पुणेरी पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया।

मणिपुर की स्थिति से नाराज उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी

'मणिपुर में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त', डीजीपी को किया तलब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मणिपुर की स्थिति से नाराज उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को टिप्पणी की कि वहां पर कानून-व्यवस्था एवं संवैधानिक मशीनरी पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है।

शीर्ष अदालत ने राज्य पुलिस द्वारा हिंसा के मामलों की जांच को 'सुस्त' और 'बहुत ही लचर' करार दिया।

मणिपुर में बेलगाम जातीय हिंसा से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के तौर तरीके की आलोचना करते हुए न्यायालय ने कहा कि पुलिस ने कानून व्यवस्था पर से नियंत्रण खो दिया। शीर्ष अदालत ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया कि सोमवार को जब वह राज्य मणिपुर से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करे तब वह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई.चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने चार मई को दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने वाले वीडियो को 'बहुत परेशान' करने वाला करार दिया। इसके साथ ही पीठ ने सरकार से घटना, मामले में 'जीरो एफआईआर' और नियमित प्राथमिकी दर्ज करने की तारीख बताने को कहा।

चंद्रयान-3 ने ट्रांसलूनर कक्षा में किया प्रवेश

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) ने सोमवार आधी रात को उस समय एक बड़ी उपलब्धि हासिल की जब उसने चंद्रयान-3 को ट्रांसलूनर कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। इसरो ने ट्वीट किया, इस्ट्रैक में एक सफल पेरिगी-फायरिंग की गई, इसरो ने अंतरिक्ष यान को ट्रांसलूनर कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसरो ने चंद्रमा की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, अगला पड़ाव : चंद्रमा। उन्होंने कहा कि यान पांच अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में पहुंचेगा और 23 अगस्त को चंद्रमा पर लैंड करेगा। उल्लेखनीय है कि 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण किया गया था।

गुरुग्राम में फिर हिंसा, भोजनालय में आग लगाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। गुरुग्राम के बादशाहपुर में मंगलवार दोपहर भीड़ ने एक भोजनालय में आग लगा दी और उससे सटी दुकानों में तोड़फोड़ की। पड़ोसी नूंह जिले में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के जुलूस पर हमले के बाद हुई सांप्रदायिक हिंसा के एक दिन बाद हिंसा का यह ताजा मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि दमकल की एक टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

बादशाहपुर में भीड़ ने एक समुदाय विशेष की कुछ दुकानों में तोड़फोड़ की और एक मस्जिद के सामने जय श्री राम के नारे भी लगाए।

पुलिस ने बताया कि बादशाहपुर बाजार भी बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि ताजा हिंसा की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन तब तक दंगाई अपनी बाइक और अन्य वाहनों पर सवार होकर फरार हो चुके थे। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, चरमपंथ और आंतकवाद से मुकाबला जैसी वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है।

भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस के 2022 बैच) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका और प्रभाव वैश्विक विकास और वैश्विक शासन की

सशक्त आवाज के रूप में तेजी से बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ने कहा, भारत के बढ़ते कद का अभिप्राय है कि अब न केवल आपको अपने पारंपरिक कर्तव्यों का निर्वहन करना है बल्कि आपके कंधों पर हमारे राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हितों की सेवा करने की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह नई प्रौद्योगिकी में साझेदारी, भारतीय सामान और सेवा के लिए नए बाजार सुरक्षित करने, मानवीय सहायता या भारतीय समुदाय को मदद के रूप में हो सकता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अधिकारियों को बहुआयामी और परिस्थितियों के अनुकूल ढलने वाला होना चाहिए, उसके पास सूचनाएं होनी चाहिए और विभिन्न भूमिकाओं को निभाने के तौर तरीके सीखने चाहिए। उन्होंने कहा, आज, अंतरराष्ट्रीय समुदाय जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है, फिर चाहे वह सतत विकास हो, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, आपदा से निपटना हो या चरमपंथ एवं आतंकवाद से निपटना। आप जैसे युवा कूटनीतिज्ञों के लिए यह नई चुनौतियों के साथ अभूतपूर्व अवसर प्रदान करता है।

भारत के साथ सभी मुद्दों पर बातचीत के लिए तैयार हूं : शरीफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को सभी गंभीर और लंबित मुद्दों के समाधान के लिए भारत के साथ बातचीत करने की पेशकश की और कहा कि दोनों देशों के लिए युद्ध कोई विकल्प नहीं है क्योंकि दोनों देश गरीबी और बेरोजगारी से लड़ रहे हैं।

शरीफ ने यहां पाकिस्तान खनिज शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। 'डरट टू डेवलपमेंट' के नारे के तहत आयोजित इस बैठक का उद्देश्य नकदी संकट से जूझ रहे देश में विदेशी निवेश लाना है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट तौर पर भारत के संदर्भ में कहा, हम हर किसी के साथ बात करने के लिए तैयार हैं, यहां तक कि अपने पड़ोसी के साथ भी बशर्ते कि पड़ोसी गंभीर मुद्दों पर बात करने के लिए गंभीर हो, क्योंकि युद्ध अब कोई विकल्प नहीं है।

शरीफ की टिप्पणियां सीमा पार आतंकवाद को इस्लामाबाद के निरंतर समर्थन और कश्मीर सहित कई मुद्दों पर भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में जारी तनाव के बीच आई है। भारत कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंधों की इच्छा रखता है, जबकि इस बात पर भी जोर देता रहा है कि इस तरह के संबंध के लिए आतंक और शत्रुता से मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी पाक की है।

नौ मई की हिंसा पाक सरकार की सुनियोजित साजिश थी : इमरान खान

लाहौर (पाकिस्तान)/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि देश में जंगल कानून मौजूद है और नौ मई को कथित भ्रष्टाचार के लिए उनकी गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा, उनकी पार्टी को कुचलने के लिए शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार और सरकारी संस्थानों द्वारा सुनियोजित साजिश थी। पाकिस्तान में नौ मई को भ्रष्टाचार के एक मामले में अर्द्धसैनिक बल पाक रेंजर्स की ओर से पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष की गिरफ्तारी के बाद अभूतपूर्व राष्ट्रव्यापी सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। 70 वर्षीय खान को बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। दंगों के दौरान रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय सहित दर्जनों सैन्य प्रतिष्ठान और सरकारी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं या आग लगा दी गईं। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के 100 से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। खान ने कई ट्वीट कर कहा, नौ मई को (सरकार) नियंत्रित मीडिया और सरकारी संस्थानों के पूर्ण समर्थन के साथ एक सुनियोजित साजिश के तहत अभियान चलाया गया था जिसका केवल एक ही उद्देश्य था, पीटीआई को कुचलना।

मूसेवाला हत्या मामला:

गैंगस्टर सचिन बिश्नोई को अजरबैजान से भारत लाया गया

नई दिल्ली/भाषा। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में कथित तौर पर शामिल गैंगस्टर सचिन बिश्नोई को अजरबैजान से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उसे दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया जिसने उसे 10 दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के अधिकारी मामले में प्रगति पर नजर रखने के लिए अजरबैजान की राजधानी बाकू गए थे। विशेष पुलिस आयुक्त (विशेष शाखा) एच.जी.एस. धालीवाल ने कहा, सचिन बिश्नोई उर्फ सचिन थापन को बाकू से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित किया गया और मंगलवार सुबह दिल्ली लाया गया।

मेवात को नहीं बनने देंगे हिंदुओं का कब्रिस्तान : विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने हरियाणा के मेवात क्षेत्र में एक हिंदू धार्मिक यात्रा पर हुए क्रूर हमले के खिलाफ बुधवार दो अगस्त को सम्पूर्ण देश में जिहादी हिंसा एवं क्रूरता के विरोध में धरने प्रदर्शन करने और जिहाद का पुतला दहन करने की घोषणा की है।

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डा सुरेंद्र जैन ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हरियाणा के मेवात में कल जो भी हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। श्रावण में प्रतिवर्ष किसी भी सोमवार पर मेवात के अंदर भगवान शंकर का आशीर्वाद लेने के लिए महाभारत कालीन पांच मंदिरों में श्रद्धालु जाते हैं। इस दिन उपद्रवियों द्वारा गोलियां और पत्थर बरसाने तथा आगजनी

करके महिलाओं, बच्चों और अन्य भक्तों को शिकार बनाने और उन पर पेट्रोल बम फेंकने की ऐसी घटनाओं से लगने लगा कि पूरा मेवात मानो मिनी पाकिस्तान बन गया है।

डा. जैन ने आरोप लगाया कि इस घटना के जिम्मेदार वे लोग हैं जो इन दंगाइयों को भड़काते हैं उनके भड़काने के कारण से ही, मुहर्रम एवं रामनवमी पर हमले होते हैं। अन्य कितने लोग बलिदान हुए है उनका पता लगाया जा रहा है, प्रशासन से भी इस बारे में सही आंकड़े नहीं मिल पा रहे हैं। घायलों की चिंता और उनके उचित उपचार की व्यवस्था की जा रही है।

डॉ. जैन ने कहा, यह गंभीर आत्म विश्लेषण का अवसर है कि कल नूह में डायरेक्ट एक्शन की तरह का वातावरण बना था। मैं उन मोलवियों से भी कहना चाहूंगा जो किसी भी बहाने से भड़काने की कोशिश करते हैं, उसका ही यह दुष्परिणाम दिखाई दिया है।

पुणे में तिलक पुरस्कार समारोह के मंच पर एक साथ दिखे मोदी और शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

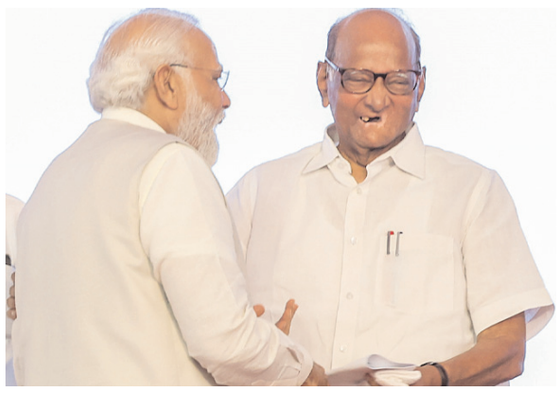

पुणे (महाराष्ट्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार के साथ मंच साझा किया।

समारोह शुरू होने से पहले दोनों नेताओं को हंसते हुए एक दूसरे से बातचीत करते हुए देखा गया। शरद पवार ने मोदी की पीठ थपथपाई। उस समय वहां शरद पवार के भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमत्री अजित पवार एवं अन्य नेता भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शरद पवार से हाथ मिलाया, जबकि अजित पवार वहां से थोड़ी दूर चले गए।

शरद पवार की राकांपा में विभाजन के बाद मोदी और उनके (शरद पवार) के बीच यह पहली मुलाकात थी। पिछले महीने अजित पवार राकांपा में बगावत कर भाजपा और शिवसेना के गठबंधन वाली महाराष्ट्र सरकार में शामिल हो गए थे। प्रधानमंत्री मोदी को लोकमान्य तिलक पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में पवार शामिल हुए। प्रधानमंत्री को उनके सर्वोच्च नेतृत्व और नागरिकों में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह में अपने संबोधन में शरद पवार ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, शिवाजी महाराज ने कभी किसी की जमीन नहीं छीनी। इस बयान को शिवसेना और राकांपा में कथित रूप से विभाजन कराने को लेकर भाजपा पर पवार द्वारा निशाना साधे जाने के रूप में देखा जा रहा है। इस समारोह से पहले पवार ने मोदी के साथ मंच साझा न करने के विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया था। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के सदस्यों का मानना है कि ऐसे वक्त में जब भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर एक मोर्चा बनाया जा रहा है, तो पवार का इस कार्यक्रम में शामिल होना विपक्ष के लिए अच्छा नहीं होगा। पवार ने उन सांसदों से मुलाकात नहीं की थी, जो उन्हें इस समारोह में शामिल न होने के लिए मनाना चाहते थे। लोकमान्य तिलक की विरासत का सम्मान करने के लिए 1983 में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा इस पुरस्कार की शुरुआत की गई थी।

महाराष्ट्रः समृद्धि एक्सप्रेस वे पर गर्डर लॉन्चर गिरने से 20 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में समृद्धि एक्सप्रेस-वे निर्माण के तीसरे चरण के दौरान मंगलवार को एक 'गर्डर लॉन्चर' गिर जाने से 10 श्रमिकों सहित कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 700 टन वजनी, सेगमेंट लॉन्चर (क्रेन) और गर्डर लॉन्चर 35 मीटर की ऊंचाई से नीचे गिर पड़े।

नागपुर को मुंबई से जोड़ने वाली एक्सप्रेसवे परियोजना की निष्पादन एजेंसी एमएसआरडीसी ने कहा कि मृतकों में दो इंजीनियर भी शामिल हैं। ठाणे जिले की पुलिस ने लापरवाही से हुई मौत के आरोप में दो ठेकेदारों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना मंगलवार तड़के मुंबई से करीब 80 किलोमीटर दूर शाहपुर तहसील के सरलांबे गांव के पास हुई। हादसे में घायल हुए तीन लोगों को ठाणे के कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक ट्वीट में कहा कि उन्होंने इस घटना की विशेषज्ञों से जांच कराने के आदेश दिए हैं। फडणवीस ने हादसे में लोगों के मारे जाने पर शोक भी जताया।

यह एक विशेष प्रयोजन वाली 'मोबाइल गैन्ट्री क्रेन' थी, जिसका उपयोग पुल निर्माण और राजमार्ग निर्माण परियोजनाओं में पूर्वनिर्मित डिब्बानुमा पुल की डाट (गर्डर) लगाने के लिए किया जाता था।

एमएसआरडीसी ने कहा कि पुल के कुल 114 खंडों में से 98 का निर्माण एक ही लॉन्चर का उपयोग करके सफलतापूर्वक किया गया था।

संबंधित 2.28 किमी लंबे पुल का निर्माण नवयुग इंजीनियरिंग और वीएसएल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर द्वारा किया जा रहा है।

भारत की जी20 अध्यक्षता महिलाओं के योगदान के बारे में आए बदलाव को रेखांकित करती है: ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता एक बड़ा बदलाव सामने लेकर आई है कि महिलाएं अपने देश व समाज में योगदान देने के लिए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं।

'जी20 एम्पावर' शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद यहां महात्मा मंदिर सम्मेलन केंद्र में सभा को संबोधित करते हुए ईरानी ने कहा कि महिलाएं आज यह सुनिश्चित कर रही हैं कि राष्ट्र-राज्यों की अर्थव्यवस्थाओं और सामाजिक ताने-बाने में उनका योगदान गिना जाए और यह पुरुषों के समतुल्य हो।

चार दिवसीय कार्यक्रम में 2-4 अगस्त के बीच महिला सशक्तिकरण पर जी20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन भी होगा।

ईरानी ने कहा, आज एक गौरवान्वित भारतीय के रूप में मैं भारत की जी20 अध्यक्षता की सराहना करती हूं, जो महिलाओं को देखने के नजरिए में बड़ा बदलाव सामने लेकर आई है। हम अपने देशों, अपने समाजों में योगदान देने के लिए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

डीसीडब्ल्यू ने राष्ट्रपति मुर्मू को भेजी गई रिपोर्ट में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजी गई एक रिपोर्ट में मणिपुर में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाने और राज्य में झड़पों की जांच करने के लिए उच्चतम न्यायालय की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करने की अंतरिम सिफारिश की है।

डीसीडब्ल्यू प्रमुख स्वाति मालीवाल मई से मणिपुर में हो रही जातीय हिंसा के पीड़ित लोगों से मुलाकात करने पिछले हफ्ते पूर्वोत्तर राज्य गई थीं। उन्होंने अंतरिम सिफारिशों को सूचीबद्ध करते हुए एक रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजी है। रिपोर्ट में कहा गया है, हिंसा तथा दो समुदायों के बीच ध्रुवीकरण को देखते हुए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 356 के अनुसार राज्य में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए। प्रशासन निष्पक्ष व्यक्तियों द्वारा चलाए जाने की आवश्यकता है, जिन पर दोनों समुदाय भरोसा कर सकें।

अंतरिम सिफारिशों के रूप में डीसीडब्ल्यू ने कहा कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और जातीय झड़प तथा सरकार की प्रतिक्रिया की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय की निगरानी में एसआईटी गठित की जानी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय मंत्रियों को तत्काल राज्य का दौरा करना चाहिए।

महिंद्रा के यात्री वाहनों की बिक्री जुलाई में 29 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। महिंद्रा एंड महिंद्रा की घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री जुलाई में 29 प्रतिशत बढ़कर 36,205 इकाई रही। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने जुलाई, 2022 में घरेलू बाजार में 28,053 यात्री वाहनों की बिक्री की थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शेयर बाजार को बताया कि वाहनों का निर्यात नौ प्रतिशत गिरावट के साथ जुलाई में 2,540 इकाई रह गया, जो जुलाई, 2022 में 2,798 इकाई था।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के वाहन खंड के अध्यक्ष विजय नाकरा ने कहा, यह हमारे लिए रिकॉर्ड तोड़ महीना रहा है। हम एक महीने में 36,205 एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) की अब तक की सबसे अधिक घरेलू बिक्री दर्ज करके उत्साहित हैं। 20 महीने के रिकॉर्ड समय में एक्सयूवी700 खरीदारों की संख्या एक लाख हो गई। जुलाई में स्कॉर्पियो ब्रांड पेश किए जाने के बाद से एक महीने में सबसे ज्यादा बिक्री हुई है।

राज्यसभा में अधिवक्ता संशोधन विधेयक व प्रेस और पत्रिका पंजीकरण विधेयक पेश

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक 2023 तथा प्रेस और पत्रिका पंजीकरण विधेयक 2023 पेश किए। भोजनावकाश के बाद उच्च सदन की बैठक फिर शुरू होने के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने सभापति की अनुमति से प्रेस और पत्रिका पंजीकरण विधेयक 2023 पेश किया। इस विधेयक के कारणों एवं उद्देश्य में कहा गया है कि यह प्रेस और पत्रिका पंजीकरण (पीआरबी) अधिनियम, 1867' की जगह लेगा जिसमें देश में मुद्रण और प्रकाशन उद्योग के पंजीकरण से संबंधित प्रावधान हैं।

इसमें भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक (आरएनआई) के साथ पत्रिकाओं के पंजीकरण के लिए सरल ऑनलाइन प्रणाली का प्रस्ताव होगा। कानून एवं विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने उच्च सदन में अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक 2023 पेश किया। इस विधेयक के कारणों एवं उद्देश्यों के अनुसार भारत के विधि आयोग की रिपोर्ट में की गई सिफारिशों के अनुसार अधिवक्ता के पेशे से संबंधित विभिन्न प्रावधान किए गए है।

साइबर धोखाधड़ी के शिकार लोगों को तत्काल मुआवजा मिलना चाहिए: संसदीय समिति

नई दिल्ली/भाषा। संसद की एक समिति ने साइबर धोखाधड़ी के शिकार लोगों को वित्तीय संस्थानों द्वारा तत्काल मुआवजा दिए जाने की वकालत की है। समिति ने कहा कि यह उपभोक्ता संरक्षण की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगा और इन कंपनियों को उनके सुरक्षा उपाय मजबूत करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य जयंत सिन्हा की अध्यक्षता वाली वित्त पर संसद की स्थाई समिति ने अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की है, समिति का पुरजोर विश्वास है कि आरबीआई के विचार अनुसार एक स्वचालित मुआजवा प्रणाली होनी चाहिए और जांच लंबित रहने तथा धन के बारे में जानकारी नहीं मिलने तक असहाय उपभोक्ता को तत्काल मुआजवा देने की पूरी जिम्मेदारी वित्तीय संस्थान की है।

पान मसाला, तंबाकू पर स्वतः आईजीएसटी वापसी एक अक्टूबर से बंद हो जाएगी

नई दिल्ली/भाषा। पान मसाला, तंबाकू और इसी तरह की अन्य वस्तुओं के निर्यात पर एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) के स्वत: वापसी की प्रक्रिया एक अक्टूबर से बंद हो जाएगी। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय द्वारा 31 जुलाई को जारी एक अधिसूचना के अनुसार ऐसी सभी वस्तुओं के निर्यातकों को अपने रिफंड दावों के साथ क्षेत्राधिकार कर अधिकारियों से संपर्क करना होगा और उनकी मंजूरी लेनी होगी। ये बदलाव एक अक्टूबर से लागू होंगे।

विशेषज्ञों ने कहा कि इस कदम का मकसद कर चोरी को रोकना है, क्योंकि हो सकता है कि निर्यात किए जाने वाले सामानों का मूल्यांकन अधिक किया गया हो।

गोवा को बदनाम करने वाले इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता पर कार्रवाई होगी : प्रमोद सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मंगलवार को राज्य विधानसभा को सूचित किया कि पुलिस की साइबर अपराध शाखा इंस्टाग्राम जैसे माइक्रोब्लॉगिंग मंचों पर राज्य को बदनाम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। वास्को विधायक दाजी सालकर ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि गोवा आने वाले कुछ लोग इंस्टाग्राम पर अपनी सामग्री के माध्यम से राज्य और 'धार्मिक आस्था' को बदनाम कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि इनमें से कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने राज्य के बारे में गलत जानकारी फैलाई है। सालकर ने ऐसे इंस्टाग्राम खातों को बंद करने की मांग करते हुए कहा, हम पर्यटकों का स्वागत करते हैं, लेकिन राज्य को बदनाम नहीं होने दे सकते। सालकर को जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सावंत ने कहा कि वह राज्य पुलिस की साइबर अपराध शाखा को मामले में कार्रवाई करने का निर्देश देंगे।

जीएसटी संग्रह जुलाई महीने में 11 प्रतिशत बढ़कर 1.65 लाख करोड़ रुपए से अधिक

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी संग्रह जुलाई माह में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 1,65,105 करोड़ रुपए रहा। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था लागू होने के बाद से पांचवीं बार जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, जुलाई 2023 में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 1,65,105 करोड़ रुपए रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी 29,773 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 37,623 करोड़ रुपए, एकीकृत जीएसटी 85,930 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र 41,239 करोड़ रुपए सहित) है। इसके अलावा उपकर 11,779 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र 840 करोड़ रुपए सहित) रहा।

मंत्रालय के अनुसार राजस्व संग्रह जुलाई 2023 में पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 11 प्रतिशत अधिक रहा। जुलाई 2022 में यह 1.49 लाख करोड़ रुपए था। वर्ष 2023 में जुलाई लगातार दूसरा महीना है जब बेची गई वस्तुओं तथा प्रदान की गई सेवाओं पर भुगतान किए गए करों से मासिक आधार पर राजस्व में वृद्धि हुई। यह जून महीने में 1.61 लाख करोड़ रुपए और मई में 1.57 लाख करोड़ रुपए था। अप्रैल में यह रिकॉर्ड 1.87 लाख करोड़ रुपए रहा था। समीक्षाधीन महीने के दौरान घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व सालाना आधार पर 15 प्रतिशत अधिक रहा।

कोविड -19 महामारी के बाद देश में अंग प्रतिरोपण में वृद्धि हुई : बघेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद देश में अंग प्रतिरोपण में वृद्धि हुई है और 2023 में अब तक 7,107 अंगों का प्रतिरोपण किया गया है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री एस पी सिंह बघेल ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रतिरोपण संगठन (एनओटीटीओ) के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोविड-19 के उपरांत अंग प्रतिरोपण गतिविधियों में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि 2022 में देश में कुल 16,041 अंग प्रतिरोपण किए गए जो 2021 की तुलना में 31 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि 2018 में कुल 10,340 प्रतिरोपण किए गए, जबकि 2019 में 12,666; 2020 में 7,443 अंग प्रत्यारोपण किए गए। वर्ष 2021 में इनकी संख्या 12,259 थी। मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने इसी साल फरवरी में नई दिल्ली में राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रतिरोपण संगठन वैज्ञानिक संवाद 2023 का आयोजन किया जिसमें कुल 519 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई जिनमें किडनी, लिवर, फेफड़ा, हृदय प्रतिरोपण, नेत्र बैंक आदि की चुनौतियों और उनके समाधान, भारत में मृतक अंगदान कार्यक्रम शामिल हैं।

जींद में नाबालिग थ्रोबाल खिलाड़ी से सामूहिक दुष्कर्म

जींद/भाषा। हरियाणा के जींद जिले के सदर थाना क्षेत्र में नाबालिग थ्रोबाल खिलाड़ी के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। महिला थाना पुलिस ने खिलाड़ी की मां की शिकायत पर पीड़िता के कोच, उसके दोस्त और नरवाना की फर्नीचर की दुकान के मालिक के खिलाफ अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म, बंधक बनाने सहित भादंसं विभिन्न धाराओं और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उसकी साढ़े 14 साल की बेटी जुलानी गांव के पास गुरुकुल अदादमी में थ्रोबाल का प्रशिक्षण ले रही है। उसने आरोप लगाया कि गत 30 जुलाई को अकादमी का कोच उसकी बेटी को प्रतियोगिता की बात कहकर नरवाना की फर्नीचर दुकान में ले गया और वहां अपने दोस्त के साथ उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

उत्तराखंडः मलारी गांव के लोगों ने छह दशक पहले ली गई जमीन का मुआवजा मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपेश्वर(उत्तराखंड)। छह दशक पूर्व सेना द्वारा ली गई जमीन के मुआवजे की मांग को लेकर भारत-चीन सीमा पर स्थित मलारी गांव के जनजातीय परिवारों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

प्रधानमंत्री की 'जीवंत ग्राम' योजना में शामिल चमोली जिले के इस गांव के लोगों ने उनके साथ हुए इस 'अन्याय' के चलते योजना के लक्ष्यों के पूरा होने पर भी संदेह जताया है। मलारी गांव के पूर्व ब्लॉक विकास समिति के सदस्य सुपिया सिंह राणा ने यहां कहा कि गांव के लोग भारतीय सेना या सरकार के विरोधी नहीं हैं लेकिन वे अपनी 'नाप भूमि' (खेती की जमीन) का मुआवजा चाहते हैं जो सेना ने साठ साल पहले उनसे ली थी। उन्होंने कहा, यदि सरकार या भारतीय सेना द्वारा ग्रामीणों को उचित मुआवजा नहीं दिया गया तो हमें मजबूरन सेना द्वारा उस भूमि पर किए जा रहे पक्के निर्माण कार्यों को रोकने व आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

नीति घाटी के कागा गरपक गांव के प्रधान और ग्राम प्रधान संगठन के नेता पुष्कर सिंह राणा ने बताया कि सीमांत तहसील जोशीमठ के सीमावर्ती गांव मलारी के ग्रामीणों ने 1962 में भारत-चीन युद्ध के समय भारतीय सेना को अपनी तीन हजार 'नाली नाप भूमि' देश हित को सर्वोपरि मानते हुए उपयोग के लिए दी थी जिस पर वर्तमान समय में सेना की रेजिमेंट बसी है। ग्रामीणों ने कहा कि युद्ध की आपातकालीन स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने बिना किसी शर्त या लिखित दस्तावेज़ के देश को सर्वोपरि मानते हुए अपनी नाप भूमि भारतीय सेना को दी थी। उन्होंने कहा कि इस 'नाप भूमि' पर उनकी आजीविका निर्भर थी लेकिन तब से आज तक छह दशक बीत जाने के बाद भी सरकार या भारतीय सेना की ओर से ग्रामीणों को भूमि के बदले अब तक कोई भी मुआवजा नहीं दिया गया।

ई-कॉमर्स उद्योग में दूसरी छमाही में सात लाख अस्थाई नौकरियां पैदा होंगी: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आगामी त्योहारी मौसम में ग्राहकों को बेहतर खरीदारी अनुभव देने की तैयारी में लगे ई-कॉमर्स उद्योग में साल 2023 की दूसरी छमाही में सात लाख अस्थाई रोजगार पैदा होने की संभावना है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है।

अपने ग्राहकों के लिए भर्तियां करने वाली कंपनी टीमलीज सर्विसेज ने मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया।

रिपोर्ट के अनुसार, देश की ई-कॉमर्स कंपनियां त्योहारों के आगामी मौसम को देखते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे रहने के लिए अस्थाई कर्मचारियों की भर्तियां कर रही हैं। इससे दूसरी छमाही में लगभग सात लाख अस्थाई नौकरियां पैदा होने की संभावना है।

कंपनी ने कहा कि इस साल त्योहारी सीजन में भर्तियों में पिछले साल की तुलना में 25 प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना है। त्योहारी मौसम के लिए भर्तियों का सिलसिला जुलाई से शुरू हो चुका है।

अस्थाई कर्मियों की मांग त्योहारी सीजन में लगातार बढ़ती रही है।

ऐसा सिर्फ बेंगलूरु, दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई जैसे महानगरों में ही नहीं बल्कि वड़ोदरा, पुणे और कोयम्बटूर जैसे अपेक्षाकृत छोटे शहरों में भी देखा जाता है।

टीमलीज सर्विसेज के उपाध्यक्ष एवं कारोबार प्रमुख बालसुब्रमण्यन ए ने कहा, पिछले पांच वर्षों में हमने अस्थाई कामगारों के लिए मांग में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की बढ़त देखी है। यह सिलसिला अगले दो-तीन साल तक बने रहने की संभावना है।

धनशोधन मामले की जांच : हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष पवन मुंजाल के परिसरों पर ईडी का छापा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के एक मामले की जांच के तहत हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष पवन मुंजाल एवं अन्य के परिसरों पर मंगलवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी की कार्रवाई 69 वर्षीय अरबपति कारोबारी और भारत में सबसे बड़े दुपहिया ऑटोमोबाइल वाहन निर्माण कंपनी के प्रवर्तक के दिल्ली और गुरुग्राम के आवासीय एवं कारोबारी परिसरों में और उससे जुड़े कुछ अन्य ठिकानों पर की गई। उन्होंने बताया कि छापेमारी की यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज करने के बाद की गई।

कंपनी ने एक बयान जारी कर कहा, ईडी के अधिकारी हमारे दिल्ली व गुरुग्राम स्थित कार्यालयों और हमारे कार्यकारी अधिकारी डॉ.पवन मुंजाल के आवास पर आए थे। हम एजेंसी के साथ लगातार सहयोग कर रहे हैं। ईडी की यह जांच मुंजाल के खिलाफ केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की जांच इकाई राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर कर रही है।

स्टालिन ने बीरेन सिंह को पत्र लिखकर सहायता के लिए अनुमति मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को पत्र लिखकर हिंसा प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य के राहत शिविरों में रह रहे लोगों की सहायता के लिए अनुमति मांगी है। स्टालिन ने 31 जुलाई को लिखे एक पत्र में मणिपुर के मुख्यमंत्री से कहा कि उन्हें सूचित किया गया है कि पूर्वोत्तर राज्य में मौजूदा 'स्थिति' के कारण 50,000 से अधिक लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। स्टालिन ने कहा, 'प्रभावित लोगों के लिए आवश्यक वस्तुओं की जरूरत बढ़ती जा रही है। इस महत्वपूर्ण समय में तमिलनाडु सरकार लगभग 10 करोड़ रुपये की राहत सामग्री जैसे तिरपाल, चादर, मच्छरदानी, आवश्यक दवाएं, सैनिटरी नैपकिन और मिल्क पाउडर प्रदान करने के लिए तैयार है।'

उन्होंने कहा कि 'यह सामग्री शिविरों में रहने वाले लोगों के लिए बहुत उपयोगी होगी और आवश्यकता पड़ने पर इसे हवाई मार्ग से भी ले जाया जा सकता है।' स्टालिन ने कहा, 'मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि कृपया इस सहायता के लिए अपनी सरकार की सहमति प्रदान करें।

कृपया आगे की कार्रवाई से भी हमें अवगत कराएं, ताकि मेरे अधिकारी आपके अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर यथाशीघ्र राहत सामग्री भेज सकें।' उन्होंने इससे पहले जातीय हिंसा के मद्देनजर मणिपुर के खिलाड़ियों के लिए तमिलनाडु में प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने की पेशकश की थी।

मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में तीन मई को आयोजित 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के दौरान हिंसा भड़कने के बाद से राज्य में अब तक 160 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं तथा कई अन्य घायल हुए हैं।

स्वागत — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानमदुरै। शिवगंगा जिले के मान मदुरै में मंगलवार को एनमन्न एनमक्कल यात्रा पहुंची। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई के नेतृत्व में चल रही इस पदयात्रा का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। मानमदुरै की मिट्टी अनोखी मिट्टी है। यहां के बने मिट्टी के बर्तन विश्व प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र में भूमिगत भूमि से 2600 वर्ष पुराने मिट्टी के बर्तन मिले हैं जो यहां की प्राचीनता को प्रमाणित करते हैं।

चौथी एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी जीतने चेन्नई पहुंची भारतीय टीम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बहुप्रतीक्षित हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में हिस्सा लेने के लिये भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार सुबह यहां चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची। हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में एकत्र हुए प्रशंसकों ने भारतीय टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने चेन्नई आगमन पर कहा, मुझे लगता है कि हमने स्पेन में हाल ही में संपन्न चार देशों के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले 10 दिनों में हमने कुछ अच्छे विरोधियों का सामना किया और उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। हमने वैसे ही खेलना शुरू कर दिया है जैसे हम खेलना पसंद करते हैं।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, हमने अपने हालिया मैचों में अपने खेल में कुछ सामरिक बदलाव किये हैं और अब हम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में उन्हें लागू करने का लक्ष्य रखेंगे। हम इस टूर्नामेंट को एशियाई खेलों की तैयारी के लिये इस्तेमाल करेंगे। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय टीम कठोर प्रशिक्षण, रणनीतिक योजना और मजबूत टीम सौहार्द के साथ हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 के लिये तैयारी कर रही है। गौरतलब है कि भारत इस टूर्नामेंट के इतिहास में पाकिस्तान के साथ सबसे सफल टीम है। दोनों देशों ने तीन-तीन बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती है और घरेलू सरज़मीन पर खेलते हुए हरमनप्रीत की टीम चौथी बार खिताब जीतने का लक्ष्य रखेगी।

भारतीय टीम तीन अगस्त को चीन के विरुद्ध अपना अभियान शुरू करेगी। इसके अलावा मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर लीग चरण में भारत का सामना जापान, कोरिया, पाकिस्तान और मलेशिया से भी होगा। टूर्नामेंट प्रारूप के अनुसार, सभी छह टीमें राउंड-रॉबिन चरण में पांच मैच खेलेंगी और अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। इस बीच, भारतीय टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने हाल के स्पेन दौरे पर टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, हमने स्पेन में अच्छा प्रदर्शन किया, खासकर पिछले कुछ मैचों में जिसमें नीदरलैंड के खिलाफ 2-1 की जीत शामिल थी।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें खेल की गति को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। हमें शुरुआत से ही ऐसा करने की जरूरत है ताकि हम खेल को सकारात्मक रूप से शुरू कर सकें। हार्दिक ने कहा, मेरा मानना है कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रत्येक टीम अच्छी गुणवत्ता की होने के कारण एक कठिन चुनौती पेश करेगी। नतीजतन, हमारा दृष्टिकोण हर मुकाबले के लिये पूरी लगन से तैयारी करना होगा। गौरतलब है कि भाग लेने वाली छह टीमों में से भारत, मलेशिया, जापान और कोरिया पहले ही मेजबान शहर चेन्नई पहुंच चुके हैं, जबकि पाकिस्तान और चीन का आज रात यहां पहुंचेंगे।

पुलिस की कार्रवाई में दो हिस्ट्रीशीटर की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के बाहरी इलाके में सोमवार देर रात वाहन की जांच के दौरान एक पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) पर हमला करने वाले दो युवक पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मारे गए। इन दोनों युवकों का कथित रूप से पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों के पास छुरे थे और उन्होंने देर रात करीब साढ़े तीन बजे गुडुवनचेरी के पास एसआई को घायल कर उसे जान से मारने की कोशिश की।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एसआई उसके सिर को निशाना बनाकर किए जाने वाले घातक हमले से बच गया और उसने उनमें से एक युवक पर गोली चला दी। वाहनों की जांच कर रहे दल में शामिल पुलिस अधीक्षक मुरुगेसन अपने सहकर्मी की मदद के लिए पहुंचे और उन्होंने दूसरे व्यक्ति पर गोली चला दी।

पुलिस के मुताबिक, एसआई पर हमला करने वाले दो अन्य लोग घटनास्थल से फरार हो गए। उसने बताया कि पुलिस दोनों घायलों को चेंगलपट्टू सरकारी अस्पताल लेकर गई, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान एस विनूद उर्फ छोटा विनूद (35) और एस रमेश (32) के रूप में की गई है। उसने बताया कि छोटा विनूद और एस रमेश आदतन अपराधी थे और उनके खिलाफ क्रमश: 50 और 20 से अधिक मामले लंबित थे, जिनमें हत्या, हत्या की कोशिश और जबरन वसूली के मामले भी शामिल थे।

अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस उपनिरीक्षक शिवगुरुनाथन को इलाज के लिए क्रोमेपेट सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, चार हमलावर 'काले' रंग की एक कार में सवार थे। उसने बताया कि करनाई के पास वाहनों की जांच के दौरान एसआई ने जब उनसे अपनी कार रोकने को कहा, जो उन्होंने पुलिस जीप को टक्कर मारकर अपनी कार रोकी।

पुलिस ने एक बयान में बताया कि इसके बाद हमलावर अपनी कार से उतरकर अधिकारी की तरफ बढ़े और उन्होंने उनके बाएं हाथ पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। बयान के मुताबिक, यहां ओटेरी पुलिस थाने में 'ए प्लस' श्रेणी का हिस्ट्रीशीटर विनूद हत्या के 10, हत्या के प्रयास के 15, डकैती के 10 और हमला करने एवं जबरन वसूली के 15 मामलों सहित 50 से अधिक मामलों में शामिल था, जबकि जबकि रमेश 'ए श्रेणी' का हिस्ट्रीशीटर था।

इसमें बताया गया है कि रमेश के खिलाफ 20 से अधिक आपराधिक मामले लंबित थे, जिनमें हत्या के पांच, हत्या के प्रयास के सात और हमले एवं जबरन वसूली आठ मामले शामिल हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उस स्थान का दौरा किया, जहां अपराधियों को गोली मारी गई थी। उन्होंने एसआई से भी घटना के बारे में सवाल-जवाब किए।

आईआईटी मद्रास के जंजीबार परिसर ने पाठ्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास ने विदेश में जंजीबार स्थित अपने परिसर द्वारा पेश किये गए पाठ्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित किये हैं। पिछले महीने, भारत से बाहर विदेश में पहला भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जंजीबार-तंजानिया में स्थापित करने के लिए एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये थे। फिलहाल इसमें दो पूर्णकालिक पाठ्यक्रम के लिए पढ़ाई होगी।

संस्थान के बयान के अनुसार, इन पाठ्यक्रमों के लिए भारत सहित अन्य देशों के छात्र आवेदन कर सकते हैं। आवेदन ऑनलाइन माध्यम से किया जायेगा। आईआईटी मद्रास के अनुसार, आवेदन की अंतिम तिथि पांच अगस्त, 2023 है। बयान के अनुसार, आईआईटी मद्रास के जंजीबार परिसर की प्रभारी प्रो. प्रीति अघालयम ने कहा, चयन प्रक्रिया में स्क्रीनिंग टेस्ट शामिल हैं जिसमें तर्क शक्ति परीक्षा, गणित, विज्ञान, अंग्रेजी आदि शामिल हैं। इसके अलावा साक्षात्कार भी शामिल होगा।

आईआईटी मद्रास के जंजीबार परिसर में डाटा साइंस में चार वर्षीय स्नातक विज्ञान डिग्री और डाटा साइंस और कृत्रिम बुद्धिमता में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स शुरू किया जायेगा। तंजानिया और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी को स्वीकार करते हुए समझौते पर हस्ताक्षर करके शैक्षिक साझेदारी के संबंधों को औपचारिक रूप दिया गया है, जो जंजीबार, तंजानिया में आईआईटी मद्रास के प्रस्तावित परिसर की स्थापना का विवरण देने के लिए रूपरेखा प्रदान करता है, जिसमें अक्टूबर 2023 में कार्यक्रम प्रारंभ करने की योजना है।

क्रिस्टोफर होजेस ने चेन्नई में अमेरिकी महावाणिज्य दूत का कार्यभार संभाला

चेन्नई। क्रिस्टोफोर डब्ल्यू होजेस ने चेन्नई से अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास में महावाणिज्य दूत का कार्यभार संभाल लिया। अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने मंगलवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। आधिकारिक बयान में महावाणिज्य दूत होजेस का हवाला देते हुए कहा गया है कि वह दक्षिण भारत में ऐसे समय में अमेरिका का प्रतिनिधित्व कर सम्मानित महसूस कर रहे हैं जब द्विपक्षीय संबंधों के लिए उत्साहजनक स्थिति है।

बयान के मुताबिक होजेस ने चेन्नई में अमेरिकी महावाणिज्य दूत का कार्यभार सोमवार को यानी 31 जुलाई 2023 को संभाला। उन्होंने कहा, हमारा काम स्थानीय और क्षेत्रीय गतिशीलता को प्रतिबिंबित करता है जो हमारी व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ाता है, जिसमें समृद्ध वाणिज्यिक और शैक्षिक संबंध और अंतरिक्ष सहयोग जैसे रोमांचक काम शामिल हैं।

अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास के बयान के मुताबिक होजेस इससे पहले यरुशलम स्थित अमेरिकी दूतावास में सहायक उप मिशन प्रमुख और फलस्तीन मामलों की इकाई के प्रमुख रह चुके हैं। बयान के मुताबिक महावाणिज्य दूत होजेस 2000 में विदेश सेवा से जुड़े और यरुशलम, वियतनाम और घाना सहित विभिन्न स्थानों पर अमेरिका के लिए अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

चंदन लकड़ी जब्त — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर में फिल्म पुष्पा की स्टाइल में एक ट्रक में गुप्त कमरा बनाकर तस्करी कर लाई गई 1051 किलो चंदन की लकड़ी पुलिस ने जब्त कर वन विभाग को सौंप दी है। यह केरल से कोयंबटूर के रास्ते आंध्र प्रदेश में तस्करी कर लाई जा रही थी। 1051 किलोग्राम चंदन की लकड़ी को जांच के दौरान कोयंबटूर पुलिस ने पकड़ लिया।

नागापट्टिनम में बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने नागापट्टिनम में एक बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया। दरअसल, श्रीलंका में 300 किलोग्राम गांजा की तस्करी करने की कोशिश कर रहे छह लोगों को सोमवार को नागापट्टिनम पुलिस ने हिरासत में लिया। पुलिस गिरफ्तार लोगों के साथियों की तलाश कर रही है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अगस्त्यमपाली के वी. रवि (42), कोडियाक्कुड के एम. लक्ष्मणन (43), थेथाकुडी के एम. रवि (28) और थेथाकुडी के ही के. वेदमणि (32), कुन्नम, पेरम्बलूर जिले के एम. कुमार (41), और मदुरै के रहने वाले जे. मायाकृष्णन (29) के रूप में हुई।

नागापट्टिनम पुलिस के सूत्रों ने बताया कि उन लोगों के आवासीय परिसरों में छापेमारी की जा रही है, जिन पर नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े होने का आरोप है। इस रैकेट की मदद से नशीले पदार्थों को ओडिशा और आंध्र प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों से नागापट्टिनम तक पहुंचाया जाता था। आरोपी समुद्री रास्ते से तस्करी करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर इन तस्करों की गिरफ्तारी की गई। पुलिस ने उपरोक्त छह व्यक्तियों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विकास को लेकर कर्नाटक, राजस्थान की कांग्रेस सरकारों की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/पुणे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कर्नाटक और राजस्थान में विकास के अभाव को लेकर कांग्रेस सरकारों की आलोचना की। मोदी ने कहा, कर्नाटक सरकार ने स्वीकार किया है कि उसके पास बेंगलूरु के विकास के लिए धन नहीं है। राजस्थान में भी यही स्थिति है, जहां राज्य भारी कर्ज में डूबा हुआ है और विकास परियोजनाएं रुकी हुई हैं। प्रधानमंत्री दो नयी पुणे मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाने और पुणे में 15,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, बेंगलूरु वैश्विक निवेशकों का केंद्र और एक आईटी हब है, लेकिन राज्य सरकार की घोषणा के दुष्परिणाम इतने कम समय में वहां देखने को मिल रहे हैं। अगर कोई पार्टी अपने स्वार्थ के लिए राज्य का खजाना खाली कर देती है, तो इसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ता है।'

दीक्षांत समारोह — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक के राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति थावर चंद गहलोत और कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर मंगलवार को बेलगावी में विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 23वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान सफल विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए।

सिद्दरामैया मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार कल प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया तीन अगस्त को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कुछ केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। कर्नाटक में सिद्दरामैया के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से उनकी प्रधानमंत्री के साथ यह पहली मुलाकात होगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक, सिद्दरामैया तीन अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर बातचीत करेंगे।

बयान के मुताबिक, उसी दिन उनका केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री राज्य के कांग्रेस नेताओं के साथ दो अगस्त को नई दिल्ली में पार्टी नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और इस दौरान 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कार्ययोजना पर चर्चा होगी।

कर्नाटक से कांग्रेस के 50 नेता और मंत्री आज दिल्ली में पार्टी नेतृत्व से मुलाकात करेंगे : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डीके ने कहा कि वह राज्य के मुद्दों और समस्याओं के संबंध में चर्चा के लिए केन्द्रीय मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। सत्तारूढ़ कांग्रेस में पनप रहे असंतोष के बीच पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ होने वाली इस बैठक को माना जा रहा है महत्वपूर्ण

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश कांग्रेस के लगभग 50 नेता और मंत्री 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने के लिए दो अगस्त को नयी दिल्ली में पार्टी नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी के नेता राहुल गांधी, महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला दिल्ली में होने वाली बैठक में शिरकत कर सकते हैं।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने दिल्ली रवाना होने से पहले कहा कि वह राज्य के मुद्दों और समस्याओं के संबंध में चर्चा के लिए कुछ केंद्रीय मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। सत्तारूढ़ कांग्रेस में पनप रहे असंतोष के बीच पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ होने वाली इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी के 30 से अधिक विधायकों ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और पार्टी नेतृत्व को पत्र लिखकर अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों के कार्यान्वयन न होने और कुछ मंत्रियों के कामकाज पर चिंता व्यक्त की है।

शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से कहा, बुधवार को दिल्ली में एक बैठक है, आज मैं वहां कुछ केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करूंगा। पार्टी का काम है और सरकारी काम भी है। इसलिए, मैं दिल्ली जा रहा हूं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में राज्य के मंत्रियों और नेताओं की बैठक लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए हो रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस के हित में क्या किया जाना चाहिए, इस पर चर्चा करके रणनीति तैयार की जानी है। उन्होंने कहा, केवल मंत्रियों और कुछ विधायकों को ही नहीं, लगभग 8-10 वरिष्ठ नेताओं को भी बैठक के लिए बुलाया गया है। इसके अलावा, सांसदों को भी आमंत्रित किया गया है। कुल मिलाकर लगभग 50 लोग पार्टी नेतृत्व से मुलाकात

भाजपा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ सचिवालय का घेराव कर किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजधानी जयपुर में भ्रष्टाचार एवं कानून व्यवस्था सहित कई मुद्दों को लेकर मंगलवार को कांग्रेस सरकार के खिलाफ सचिवालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता घेराव के दौरान पुलिस द्वारा लगाये गये अवरोधक को पार करते हुए आगे बढ़े और तीसरे एवं आखिरी अवरोधक पर आगे बढ़ने का प्रयास कर रही इन लोगों की भीड़ को पुलिस ने रोक लिया ।

इसके बाद कार्यकर्ता और पुलिस आमने सामने हो गए और आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पीछे धकेलने का प्रयास किया लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारे छोड़नी पड़ी। पुलिस ने दो बार पानी की बौछारे छोड़ी और आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को रोका।

इस दौरान उपनेता प्रतिपक्ष डा सतीश पूनिया, सांसद मनोज राजोरिया सहित भाजपा के कई कार्यकर्ताओं को चोंटे आई और राजोरिया सहित कुछ कार्यकर्ताओं को सवाई मान सिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। इसके बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिहं राठौड़, डा पूनिया, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सांसद बालकनाथ, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा अरुण चतुर्वेदी, विधायक वासुदेव देवनानी सहित कई नेताओं ने गिरफ्तारियां दी।

इससे पहले प्रदर्शन के दौरान जोशी सहित अन्य नेता सड़क पर बैठ गए और मीडिया से बात की और जोशी ने बहुचर्चित लाल डायरी का जिक्र करते हुए कहा कि आखिर इस डायरी में ऐसा क्या है जो अपने मंत्री को रातों रात हटा दिया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं की भीड़ की तरफ इशारा करते हुए कहा कि यह जनता का गुस्सा है और सरकार के खिलाफ यह आक्रोश है, इसलिए प्रदेश के कौने कौने से बड़ी संख्या में लोग इस प्रदर्शन में भाग लेने आये है।

इस दौरान शेखावत ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इसके विधायक, मंत्री एवं मंत्री का दर्जा प्राप्त लोगों ने भी कहा है और अब इस पर मोहर लग गई। उन्होंने कहा कि इस लाल डायरी में ऐसे क्या राज दफन थे कि लाल डायरी को छीन ली गई। उन्होंने कहा कि न जाने ऐसी कितनी और काली, पीली एवं हरी डायरियां होगी, अबकी बार ऐसी सब डायरियों का हिसाब जनता करने वाली है। इससे पहले सचिवालय का घेराव करने के लिए कूच करने के दौरान एक गाड़ी पर सवार जोशी ने मीडिया से कहा कि घेराव के लिए जो जनसैलाब उमड़ा है उससे साफ है कि जनता कांग्रेस के कुशासन से त्रस्त है। इस घेराव में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित कुछ अन्य बड़े नेताओं के नजर नहीं आने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनका पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण इसमें सम्मिलित नहीं हो पाये लेकिन इस प्रदर्शन में पूरे पंचायत, हर बूथ से कार्यकर्ता भाग लेने आये है। डा पूनिया ने कहा कि इस जनसैलाब से लग रहा है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार की उल्टी गिनती शुरु हो गई है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था आदि मुद्दों को लेकर कार्यकर्ता आक्रामक रुप से सड़कों पर है। उन्होंने कहा कि यह आगाज है जिसे अंजाम तक लेकर जाया जायेगा।

इससे पहले भाजपा प्रदेश कार्यालय के सामने पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता एकत्रित हुए और एक सभा का आयोजन हुआ जिसे जोशी, पार्टी के राज्य प्रभारी अरुण सिंह, शेखावत, राजेन्द्र सिंह राठौड़, डा पूनियां, सांसद किरोड़ी लाल मीणा एवं राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं अन्य नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

राजस्थान के कुशासन को उखाड़ फैंकने के संकल्प को भाजपा की मुहिम से मिलेगा बड़ा बल : मोदी

जयपुर/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर राज्य को बदहाली और बदनामी का दलदल बनाकर रख देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इस कुशासन को उखाड़ फैंकने के जन जन के संकल्प को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नहीं सहेगा राजस्थान अभियान की इस मुहिम से बहुत बड़ा बल मिलने वाला है। मोदी ने प्रदेश भाजपा के कांग्रेस सरकार के खिलाफ सचिवालय घेराव कार्यक्रम के मद्देनजर सोशल मीडिया पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मौजूदा शासन ने जिस प्रकार वीर-वीरांगनाओं की भूमि राजस्थान को बदहाली और बदनामी का दलदल बनाकर रख दिया है, जनता जर्नादन उससे जल्द छुटकारा चाहती है। उन्होंने कहा कि राज्य के कुशासन को उखाड़ फैंकने का जन जन ने जो संकल्प लिया है, उसे भाजपा की इस मुहिम से बहुत बड़ा बल मिलने वाला है। उन्होंने कहा बेटियो के मान में चलो, गरीबों के उत्थान में चलो, दलित सम्मान में चलो, किसान का दर्द भी सुनो, हुंकार भरो।

महा प्रदर्शन को लेकर रंधावा ने साधा निशाना, बोले-अब नहीं सहेगा हिन्दुस्तान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा का भाजपा के जयपुर में आयोजित महा प्रदर्शन को लेकर बयान सामने आया है। उनका कहना है कि भाजपाइयों के जयपुर में नहीं, बल्कि दिल्ली में आंदोलन करना चाहिए। रंधावा ने भाजपा के नहीं सहेगा राजस्थान के जबाव में नहीं सहेगा हिन्दुस्तान वाला बयान दिया है। रंधावा मंगलवार को उदयपुर में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के साथ आगामी नौ अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर मानगढ़ में राहुल गांधी की सभा की तैयारियों को लेकर बैठक लेने उदयपुर आए थे।

कांग्रेस नेता रंधावा ने कहा कि भाजपा के सांसद गूंगे पहलवान हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के कई जिलों की पानी की योजना को लेकर केन्द्र सरकार मौन है और भाजपा जयपुर में धरना दे रही है। यदि वह जनता के सच्चे सेवक हैं तो दिल्ली में आंदोलन करते।

रंधावा का कहना है कि वह राजस्थान के सभी 25 सांसदों से पूछना चाहते हैं कि उन्होंने संसद में राजस्थान की बात नहीं उठाई। सारे के सारे सांसद गूंगे पहलवान हैं। क्या इन सभी सांसदों का दायित्व नहीं बनता कि वह संसद में ईआरसीपी का मुद्दा उठाते?

रंधावा ने मंगलवार को उदयपुर शहर के सेक्टर 14 स्थित सुहालका भवन में उदयपुर शहरदेहात के अलावा चित्तौड़गढ़ और राजसमंद जिले के पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ली। जिसमें आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासियों के तीर्थ मानगढ़ धाम पर आयोजित राहुल गांधी की जनसभा की तैयारियों को लेकर चर्चा की। जिसमें कांग्रेस पदाधिकारियों को दायित्व सौंपा गया कि वह मानगढ़ में राहुल गांधी की जनसभा प्रदेश में अब तक हुई सभी जनसभाओं से सबसे बड़ी होनी चाहिए।रंधावा ने कहा कि राज्य में देश के प्रधानमंत्री आते हैं तो कोई ना कोई सौगात अवश्य देते हैं। लेकिन राजस्थान में जब भी प्रधानमंत्री आए तो जनता को निराशा ही हाथ लगी। आदिवासियों के तीर्थ मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय तीर्थ घोषित करने की बजाय वह टाल गए। इसी तरह हर दौरे में राज्य की जनता को निराश ही किया।

एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में रंधावा ने कहा कि आदिवासी दिवस पर राहुल गांधी आ रहे हैं। उन्होंने मानगढ़ धाम को लेकर कहा कि जो शहीद होता है वह देश का शहीद होता है। शहीद किसी एक प्रदेश का नहीं होता। मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा मिलना चाहिए।

छात्रा को पीने के पानी में यूरिन मिलाने के मामले में दर्ज कराई प्राथमिकी

भीलवाड़ा/दक्षिण भारत। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के मांडल थाने के लुहारिया में छात्रा के पीने के पानी में यूरिन मिलाने एवं आपत्तिजनक पत्र बैग में रखने को लेकर पुलिस ने तीन छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने स्कूल के प्रिंसीपल की रिपोर्ट पर यह मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी मुकेश वर्मा ने बताया कि गत 28 जुलाई को स्कूल के इंटरवेल में एक आठवीं कक्षा की छात्रा के पीने के पानी की बोतल में यूरिन भर देने एवं बैग में आपत्तिजनक शब्द लिखा कागज रख दिया था। छात्रा के साथ हुई इस घटना को लेकर स्कूल के प्रिंसीपल वीके जायसवाल ने स्कूल के तीन छात्रों के खिलाफ नामजद मामला मांडल थाने में दर्ज कराया है।

राजस्थान में बारिश का दौर जारी, मानसून के अभी सक्रिय रहने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसूनी बारिश का दौर जारी है और राज्य के पूर्वी हिस्सों में बीते चौबीस घंटे में कहीं-कहीं भारी बारिश दर्ज की गई। इस अवधि में पश्चिमी राजस्थान में भी कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार, झाड़ोल (उदयपुर) में बीते चौबीस घंटे में नौ सेंटीमीटर, सिकराय (दौसा) में पांच सेंटीमीटर, कोटड़ा (उदयपुर) में पांच सेंटीमीटर, नीमकाथाना (सीकर) में चार सेंटीमीटर, छतरगढ़ (बीकानेर) में चार सेंटीमीटर, सैपऊ (धौलपुर) में तीन सेंटीमीटर, बस्सी (जयपुर) में तीन सेंटीमीटर, पावटा (जयपुर) में तीन सेंटीमीटर, रेवदर (सिरोही) में तीन सेंटीमीटर और गिर्वा (उदयपुर) में तीन सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई।

केंद्र के मुताबिक, मंगलवार को बांग्लादेश तट के पास उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में एक बेहद गहरा दबाव क्षेत्र बना हुआ है, जिसके अगले चौबीस घंटे में पश्चिम बंगाल की तरफ बढ़ने का अनुमान है। मौसम केंद्र के अनुसार, इस तंत्र के प्रभाव से आने वाले दिनों में पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में मानसून के फिर से सक्रिय होने और दो अगस्त को भरतपुर संभाग के कुछ भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

केंद्र के मुताबिक, पूर्वी राजस्थान में तीन-चार अगस्त को बारिश की गतिविधियां तेज होंगी और कोटा, जयपुर व भरतपुर संभाग में अधिकांश जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश, जबकि कहीं-कहीं भारी बारिश दर्ज की जाएगी। केंद्र ने बताया कि उदयपुर और कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में पांच अगस्त को भी भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। उसने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर और जोधपुर संभाग के अधिकांश भागों में केवल छिटपुट जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। हालांकि, पांच अगस्त को कुछ भागों में बारिश की गतिविधियां तेज होने का अनुमान है।

महात्मा गांधी के विचारों से जुड़े युवा पीढ़ी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महात्मा गांधी के विचारों से जुड़ने का युवा पीढ़ी से आह्वान करते हुए मंगलवार को कहा कि देश के तनाव भरे माहौल में उनके संदेशों का बड़ा महत्व है। गहलोत ने मंगलवार को बिड़ला सभागार में शांति एवं अहिंसा विभाग के राजस्थान गांधी दर्शन प्रशिक्षणार्थी सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सम्बोधित किया। उन्होंने कहा, देश के तनाव भरे माहौल में महात्मा गांधी के संदेशों का बड़ा महत्व है। उनके मूल्यों एवं सिद्धांतों पर चलकर ही शांति व अहिंसा की स्थापना संभव है। हमें इसी राह पर आगे बढ़ते हुए लोकतंत्र को अधिक मजबूत बनाना होगा और देश की प्रगति में अहम भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि गांधी दर्शन प्रशिक्षणार्थी ही राजस्थान की सबसे बड़ी पूंजी हैं और ये प्रशिक्षणार्थी राजस्थान के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सत्य, शांति और अहिंसा की भावना बढ़ें, इसी सोच पर राज्य सरकार आगे बढ़ रही है। गहलोत ने कहा, शांति और अहिंसा से ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारा कायम रह सकता है। यही हमारी संस्कृति का मूल आधार भी है।

उन्होंने कहा, युवा पीढ़ी को गांधीजी के विचारों से जुड़ना चाहिए। गांधीजी की जीवनी 'सत्य के प्रयोग' का अध्ययन हर व्यक्ति को अवश्य करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, विश्व के कई देशों में तनावपूर्ण माहौल है, लेकिन भारतीय संविधान में गांधीजी की भावना निहित होने से भारत आज भी अखंड और मजबूत है। गहलोत ने कहा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के संदेश घर-घर में पहुंचाने की दिशा में देश में पहली बार राजस्थान में शांति एवं अहिंसा विभाग खोला गया। इसी कड़ी में महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज और जिला शांति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ भी आगे बढ़ रहे हैं। हाल में विधानसभा से गांधी वाटिका न्यास, जयपुर विधेयक-2023 पारित हुआ है। बिड़ला सभागार में इस कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, शांति एवं अहिंसा निदेशालय के निदेशक मनीष शर्मा, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.एम. शर्मा, गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष कुमार प्रशांत, गांधीवादी मनोज ठाकरे व उदयपुर, भरतपुर, बीकानेर और कोटा संभाग से आए प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

निलंबित सभापति गुप्ता चार्ज लेने पहुंची कार्यालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान के अलवर नगर परिषद में निलंबित सभापति बीना गुप्ता आज दूसरे दिन भी कार्यालय पहुंची जहां तालाबंद होने पर बाहर ही कुर्सी पर बैठ गई। निलंबित सभापति श्रीमती गुप्ता आज दूसरे दिन भी हाईकोर्ट के 26 मई को दिए आदेशों को लेकर नगर परिषद कार्यालय पहुंची। वह सभापति कार्यालय के बाहर कुर्सी पर बैठी रही। नगर परिषद पहुंची। निलंबित सभापति बीना गुप्ता ने कहा कि उन्हें एसीबी की ओर से रिश्वत प्रकरण में ट्रेप करने और पूर्व आयुक्त एवं अधिशासी अभियंता कुमार संभव अवस्थी से जुड़े दोनों ही मामले में निलंबन के डीएलबी ने आदेश जारी किए थे। जिसके बाद उन्हें बर्खास्त किया था। उच्च न्यायालय ने इस मामले में बीना गुप्ता को पार्षद एवं सभापति पद से बर्खास्त करने का आदेश खारिज किया है। वह पूर्व एक्सईएन कुमार संभव अवस्थी से मारपीट का है। उसमें निलंबन भी खारिज हो गया।

उन्होंने बताया कि सरकार ने दोनों मामलों में बर्खास्त किए थे और हाईकोर्ट के आदेश के बाद दोनों मामले क्रैश हो गए और वर्दी कर दिया और इस संबंध में न्यायिक जांच भी पूरी हो चुकी है जिसको 70 दिन हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें ना तो बर्खास्तगी या निलंबन का कोई नोटिस दिया गया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट से डीएलबी बड़ी नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि आप आगामी क्या कार्रवाई करेंगे तो उन्होंने कहा कि अगर सरकार नहीं मानी तो न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे और देखते हैं कब तक यह ताला नहीं खोलते। .. मैं रोज इसी तरह आऊंगी। ..

उन्होंने कहा कि नगर परिषद आयुक्त को कार्यालय आना चाहिए और उन्हें सभापति का चार्ज सौंपा जाए या फिर मुझे लिखकर दें कि इसमें यह कमी है जिससे हम आपको सभापति का चार्ज नहीं दे सकते। उन्होंने अपने आप को सभापति बताया। आज दूसरे दिन भी वह नगर परिषद पहुंची और सभापति कक्ष के बाहर कुर्सी पर बैठ गई ।

पुलिस ने फर्जी लूट के मामले को किया उजागर

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के मुहाना क्षेत्र में 10 लाख रुपये की फर्जी लूट के मामले को उजागर कर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (दक्षिण) अभिषेक शिवहरे ने बताया कि दूध डेयरी के ठेकेदार मुकेश शर्मा ने अपने कर्मचारी कालूराम कुमावत के साथ मिलकर लूट का झूठा मामला दर्ज कराया था। दोनों ने शिकायत में कहा था कि केसाला गांव के पास एक बदमाश उनकी आंखों के सामने मिर्च पाउडर फेंककर 10 लाख रुपये का बैग लूट कर फरार हो गए।

शिवहरे ने बताया कि कुमावत पूछताछ के दौरान बार-बार बयान बदल रहा था जिससे संदेह हुआ और उससे कड़ाई से पूछताछ की गई। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ से पता चला कि कुमावत और उसके मामा के लडके कालू ने मिलकर लूट की राशि को आधा-आधा बांटने के लिये यह साजिश रची थी।

राजस्थान में 336 आरएएस, तीन आईएएस और दो आईपीएस अधिकारियों का तबादला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य में साल के आखिर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले स्थानीय प्रशासनिक ढांचे में बड़ा फेरबदल करते हुए राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के 336 अधिकारियों का तबादला किया है। प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के तीन अधिकारियों और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के दो अधिकारियों का भी तबादला किया है। राज्य के कार्मिक विभाग ने सोमवार देर रात इस बारे में अलग-अलग आदेश जारी किए। इन तबादलों के तहत वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बीजू जॉर्ज जोसेफ को जयपुर का नया पुलिस आयुक्त बनाया गया है।

कार्मिक विभाग के बीकानेर के संभागीय आयुक्त आईएएस भानु प्रकाश एटूरू को गृह विभाग के शासन सचिव के पद पर जयपुर स्थानांतरित कर दिया गया है। वहीं, वी सरवन कुमार को गृह विभाग के शासन सचिव पद से हटाकर आयुक्त-विभागीय जांच पद पर तैनात किया गया है। राजस्थान राज्य सहकारी संघ लिमिटेड (राजफेड) की प्रबंध निदेशक उर्मिला राजोरिया अब बीकानेर की नयी संभागीय आयुक्त होंगी। इसी तरह आईपीएस के तबादलों में सरकार ने आनंद श्रीवास्तव की जगह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बीजू जॉर्ज जोसेफ को जयपुर का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया है। श्रीवास्तव अब अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी-कानून एवं व्यवस्था) होंगे। 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी जोसेफ पुलिस मुख्यालय में एडीजी (विजिलेंस) के पद पर थे। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2018 में गहलोत सरकार के सत्ता में आने के तुरंत बाद श्रीवास्तव को जयपुर का पुलिस आयुक्त बनाया गया था।

भरतपुर जिले में निगरानी बढ़ाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। हरियाणा के नूंह जिले में हिंसा के बाद राजस्थान के भरतपुर जिले में निगरानी बढ़ा दी गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भरतपुर के पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि जिले में निगरानी बढ़ा दी गई है और सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की सीमा से सटे इलाकों में सतर्कता बरती जा रही है। हरियाणा के नूंह जिले में भीड़ ने विश्व हिंदू परिषद के जुलूस को रोकने की कोशिश कर कारों में आग लगा दी। इस दौरान एक होम गार्ड की गोली लगने से मौत हो गई और लगभग एक दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए।

आसमान साफ रहा तो मंगलवार को कोलकातावासी 'सुपरमून' का कर सकेंगे दीदार

कोलकाता/भाषा। आसमान अगर साफ रहा तो पूर्वी भारत के सबसे बड़े महानगर कोलकाता के लोग मंगलवार की रात 'सुपरमून' का दीदार कर सकेंगे। एम.पी. बिड़ला तारामंडल के पूर्व निदेशक देबीप्रसाद दुआरी ने यह जानकारी दी। सुपरमून दोबारा इस महीने के अंत में 30 अगस्त को दिखाई देगा। पूर्णिमा के दिन जब चांद धरती के सबसे करीब होता है तब उसे 'सुपरमून' कहा जाता है क्योंकि उसका आकार सामान्य से बड़ा दिखता है। दुआरी ने कहा कि पिछली बार अगस्त 2018 में सुपरमून की खगोलीय घटना देखने को मिली थी और इस तरह की अगली आकाशीय घटना 2037 में देखने को मिलेगी। यह उत्साहजनक है क्योंकि संयोग से चंद्रयान-3 का मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा की ओर रुख करेगा। चंद्रयान-3 के 23 अगस्त को चंद्रमा पर उतरने का कार्यक्रम है। चंद्रमा अंडाकार कक्षा में घूमते हुए 27.3 दिन में पृथ्वी का एक चक्कर लगाता है। इसका नतीजा है कि कक्षा में एक समय आता है जब वह पृथ्वी से सबसे दूर होता है और उस बिंदु को अपोजी कहते हैं और जब वह सबसे नजदीक आता है तो उस बिंदु को पेरिजी कहते हैं। उन्होंने कहा, जब पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पेरिजी के नजदीक होता या पृथ्वी के करीब होता है तो उसे हम 'सुपरमून' कहते हैं।

बिहार : बीएसएफ इंस्पेक्टर 32 बोतल शराब के साथ गिरफ्तार

खगड़िया/भाषा। बिहार के खगड़िया जिले की पुलिस ने मानसी इलाके से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक इंस्पेक्टर को मंगलवार को शराब की 32 बोतल के साथ गिरफ्तार किया। मानसी के थाना अध्यक्ष (एसएचओ) नीलेश कुमार ने पत्रकारों को बताया, पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए मानसी इलाके में एक परिसर पर छापेमारी कर बीएसएफ इंस्पेक्टर आलोक कुमार रवि को भारत निर्मित विदेशी शराब की 32 बोतल के साथ गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा, कटिहार जिले के काढ़ागोला निवासी आरोपी को बिहार निषेध और उत्पाद शुल्क अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। एसएचओ के मुताबिक, रवि किशनगंज में बीएसएफ की 76वीं बटालियन में तैनात हैं और मामले में आगे की जांच जारी है। बिहार में अप्रैल 2016 में शराबबंदी कानून लागू करते हुए शराब के निर्माण, बिक्री और उपभोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

एनसीबी ने देश के सबसे बड़े मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क में से एक का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली/भाषा। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मंगलवार को बड़ी संख्या में 'एलएसडी ब्लॉट' जब्त कर 'डार्कनेट' पर संचालित देश के सबसे बड़े मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क में से एक का भंडाफोड़ करने का दावा किया। इससे दो महीने पहले जून में एजेंसी ने 15,000 'एलएसडी ब्लॉट' जब्त करके आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया था। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने एक और अखिल भारतीय डार्कनेट मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ कर बड़ी संख्या में उच्चतम दर्जे के एलएसडी ब्लॉट जब्त किए हैं।

एलएसडी या 'लिसेर्जिक एसिड डायथाइलैमाइड' एक सिंथेटिक रसायन आधारित मादक पदार्थ है। युवा बड़े पैमाने पर इसका उपयोग करते हैं और इसके सेवन से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। 'डार्कनेट' गुप्त इंटरनेट प्लेटफॉर्म को कहा जाता है, जिसका उपयोग मादक पदार्थों की बिक्री, अश्लील सामग्री के आदान-प्रदान और अन्य अवैध गतिविधियों में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की निगरानी से बचने के लिए किया जाता है।

लड़की को अगवा कर बलात्कार करने का आरोपी गिरफ्तार

बलिया (उप्र)/भाषा। बलिया जिले के दोकटी क्षेत्र में 15 वर्षीय एक लड़की को अगवा कर बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को एक युवक को गिरफ्तार किया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि दोकटी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक किशोरी को गत पांच जुलाई को बिहार के भोजपुर जिले के बभगांवा गांव के अंशु पाल (20) ने अगवा कर लिया था। इस मामले में किशोरी के भाई की तहरीर पर अंशु पाल के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी को मंगलवार को गिरफ्तार करके किशोरी को उसके कब्जे से मुक्त करा लिया। किशोरी ने पुलिस को बयान दिया है कि अंशु पाल उसे अगवा कर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने बयान के आधार पर प्राथमिकी में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (बलात्कार) और पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराएं जोड़ दी गई है।

भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच ने कहा, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में रणनीतिक बदलाव जारी रखेंगे

चेन्नई/भाषा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि टीम गुरुवार से शुरू होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भी उन रणनीतिक बदलावों को जारी रखेगी जो उसने हाल में अपनाए थे। फुल्टन ने कहा कि भारत यहां तीन से 12 अगस्त तक मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में होने वाले टूर्नामेंट का उपयोग चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए मंच के तौर पर करेगा।

फुल्टन ने मंगलवार को भारतीय टीम के यहां पहुंचने के बाद कहा, हमने हाल के मैचों में अपने खेल में कुछ रणनीतिक बदलाव किए थे और हमारा लक्ष्य एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान उन्हें लागू करना है। उन्होंने कहा, हमने स्पेन में हाल में समाप्त हुए चार देशों के टूर्नामेंट में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। पिछले 10 दिनों में हमने वास्तव में कुछ अच्छी टीमों का सामना किया और उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। हमने उस तरह से खेलना शुरू कर दिया है जैसा कि हम चाहते हैं। भारत स्पेनिश हॉकी महासंघ के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहा था। भारत ने तीसरे और चौथे स्थान के लिए खेले गए प्लेऑफ मैच में मौजूदा एफआईएच प्रो लीग चैंपियन नीदरलैंड को 2-1 से हराया था।

गडकरी ने कुल्लू और मनाली में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कुल्लू और मनाली में बाढ़ तथा भारी बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

इस दौरान गडकरी के साथ मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री विक्रमादित्य सिंह मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने इलाके का हवाई सर्वेक्षण किया।

गडकरी ने इसके बाद प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। बड़ी संख्या में प्रभावित लोगों ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष अपना पक्ष रखा।

गडकरी ने दौरे के दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के साथ भी बैठक की।

राज्य आपातकालीन अभियान केंद्र के अनुसार, हिमाचल प्रदेश को 24 जून से शुरू हुए मानसून से 31 जुलाई तक की अवधि के दौरान पीडब्ल्यूडी को हुए 1,962 करोड़ रुपए के नुकसान समेत 5,692 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

मुख्यमंत्री ने हालांकि दावा किया है कि राज्य को करीब 8,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

हाल में आई बाढ़ से कुल्लू और मनाली जिलों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। वहीं बड़ी संख्या में एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी की सड़कों को भी नुकसान पहुंचा है।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ने वाले क्षतिग्रस्त पुलों को ठीक करने के लिए 'सेतु भारतम योजना' के तहत 300 करोड़ रुपए की राशि दी है।

बीजद दिल्ली सेवा अध्यादेश संबंधी विधेयक का समर्थन, अविश्वास प्रस्ताव का विरोध करेगा : पात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के राज्यसभा सदस्य सस्मित पात्रा ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी दिल्ली सेवा अध्यादेश संबंधी विधेयक का संसद में समर्थन करेगी और सरकार के खिलाफ विपक्ष द्वारा पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव का विरोध करेगी। ओडिशा के सत्ताधारी दल के फैसले से नरेन्द्र मोदी सरकार को राज्यसभा में बहुमत प्राप्त करने की दिशा में मदद मिलेगी। राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन को बहुमत प्राप्त नहीं है। उच्च सदन में बीजू जनता दल के नौ सदस्य हैं।

वाईएसआर कांग्रेस के बाद बीजद दूसरी पार्टी है जिसने दिल्ली सेवाओं से जुड़े विधेयक पर सरकार का समर्थन करने की घोषणा की है। इससे विपक्षी गठबंधन को झटका लगा है जो 'राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023' के खिलाफ समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है।

राज्यसभा में बीजद के नेता पात्रा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि उनकी पार्टी ने दिल्ली सेवाओं से जुड़े विधेयक का समर्थन करने का फैसला किया है, वहीं वह अविश्वास प्रस्ताव का विरोध करेगी। उच्च सदन में बीजू जनता दल के नौ सदस्य हैं। राज्यसभा में वाईएसआर कांग्रेस के भी नौ सदस्य हैं। इन 18 सांसदों के समर्थन से विधेयक का पारित होना लगभग पक्का हो गया है। इन दोनों पार्टियों ने अक्सर संसद में सरकार का समर्थन किया है, हालांकि दोनों पार्टी सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि राज्यसभा में विपक्षी गठबंधन के करीब 109 सदस्यों के अलावा कपिल सिब्बल जैसे कुछ निर्दलीय सदस्यों के विधेयक के खिलाफ मतदान करने की उम्मीद है।

उच्च सदन में अभी 238 सदस्य हैं जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन के 100 से अधिक सदस्य हैं। वहीं उसे मनोनीत सदस्यों और कुछ निर्दलीय सदस्यों से समर्थन मिलने की उम्मीद है जो विभिन्न मुद्दों पर कई बार सरकार के पक्ष में मतदान करते रहे हैं। इनके साथ ही उक्त दोनों दलों के समर्थन से राजग को बहुमत प्राप्त होने की संभावना है। लोकसभा में भाजपा सदस्यों की संख्या 305 है और सरकार को सदन में अविश्वास प्रस्ताव या दिल्ली सेवा संबंधी विधेयक को लेकर विपक्ष से कोई खतरा नहीं है।

आर्थिक न्याय की दिशा में बहुत बड़ा क्रांतिकारी कदम होगा जाति आधारित गणना: तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। पटना उच्च न्यायालय द्वारा जाति आधारित गणना कराने के राज्य सरकार के फैसले को बरकरार रखने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि यह 'आर्थिक न्याय की दिशा में बहुत बड़ा क्रांतिकारी कदम होगा।

पटना उच्च न्यायालय ने बिहार में जाति आधारित गणना के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं। इसके बाद राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता यादव ने ट्वीटर पर कहा, हमारी सरकार के जाति आधारित सर्वे से प्रामाणिक, विश्वसनीय और वैज्ञानिक आंकड़े प्राप्त होंगे। इससे अतिपिछड़े, पिछड़े तथा सभी वर्गों के गरीबों को सर्वाधिक लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा, जातीय गणना आर्थिक न्याय की दिशा में बहुत बड़ा क्रांतिकारी कदम होगा। हमारी मांग है कि केंद्र सरकार जातीय गणना करवाए। उपमुख्यमंत्री ने सवाल ने किया, ओबीसी प्रधानमंत्री होने का झूठा दंभ भरने वाले, देश की बहुसंख्यक पिछड़ी और गरीब आबादी की जातीय गणना क्यों नहीं कराना चाहते? एक साल पहले जब केंद्र ने यह स्पष्ट कर दिया था कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अलावा अन्य सामाजिक समूहों की गणना नहीं की

भाजपा ने पूरे देश में नफरत का केरोसिन फैला दिया है: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और उसके साथ खड़ी ताकतों ने पूरे देश में नफरत का केरोसिन फैला दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि सिर्फ मोहब्बत ही देश में लगी आग को बुझा सकती है।

राहुल गांधी ने हरियाणा के कुछ क्षेत्रों में हुई हिंसक झड़पों और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक कांस्टेबल द्वारा चार लोगों की हत्या किए जाने की घटनाओं की पृष्ठभूमि में भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट किया, भाजपा, मीडिया और उनके साथ खड़ी ताक़तों ने पूरे देश में नफ़रत का केरोसिन फैला दिया है। सिर्फ़ मोहब्बत ही देश में लगी इस आग को बुझा सकती है। आरपीएफ के एक कांस्टेबल ने सोमवार तड़के महाराष्ट्र के पालघर रेलवे स्टेशन के पास चलती हुई ट्रेन-जयपुर-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस में अपने वरिष्ठ सहकर्मी और तीन अन्य यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी। दूसरी तरफ, हरियाणा के नूंह और कुछ अन्य इलाकों में सोमवार को भड़की हिंसा में पांच लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गए।

राज्यसभा में हमें बोलने नहीं दिया जा रहा, धमकाया जा रहा है: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्यसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों को बोलने नहीं दिया जा रहा है और उन्हें धमकाया जा रहा है।

उच्च सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद नेता प्रतिपक्ष खरगे ने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के नेताओं के साथ संसद परिसर में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा कि सदन में नियम 267 के तहत अतीत में कई बार चर्चा हो चुकी है। इस संवाददाता सम्मेलन में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता केशव राव भी मौजूद थे। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, राज्यसभा में सरकार हमें बोलने नहीं दे रही है। नियम 267 के तहत हम लगातार 11 दिन से मणिपुर का विषय उठा रहे हैं। मणिपुर एक बहुत बड़ी घटना है। हम चाहते थे कि प्रधानमंत्री जी सदन में आएं और अपने विचार रखें। सिर्फ गृह मंत्री का सवाल नहीं हैं। जो सूचनाएं प्रधानमंत्री को मिलती हैं वो सभी सूचनाएं गृह मंत्री को नहीं मिल सकतीं। उन्होंने दावा किया, प्रधानमंत्री यहां नहीं आ रहे हैं, वह चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। वह राजस्थान जाते हैं, महाराष्ट्र जाते हैं, लेकिन संसद में नहीं आते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, प्रधानमंत्री सदन में आएं, अपनी बात रखें। हम भी जवाब देंगे। वह चुनावी भाषण कर रहे हैं, लेकिन मणिपुर पर सदन में एक संक्षिप्त बयान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियम 267 के तहत 60 से अधिक सदस्यों ने नोटिस दिए हैं, लेकिन सरकार नहीं सुन रही है।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को महाराष्ट्र के पुणे में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान एक लाभार्थी को घर की चाबियां सौंपते हुए प्रधानमंत्री।

दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, घुसपैठ की घटनाएं कम हुईं: सरकार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि पिछले दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हिंसा और घुसपैठ में कमी आई है।

उन्होंने यह भी बताया कि इस साल जून के अंत तक आतंकी हिंसा की 26 घटनाएं हुई हैं और कोई घुसपैठ नहीं हुई है।

राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि वर्ष 2022 में आतंकवाद से संबंधित 125 घटनाएं और घुसपैठ की 14 घटनाएं हुईं थी। वर्ष 2021 में आतंकवाद की 134 और घुसपैठ की 34 की घटनाएं हुईं।

मणिपुर हिंसा के लिए केंद्र जिम्मेदार : बोरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष रिपुण बोरा ने मंगलवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर हिंसा पर बोलने से बच रहे हैं क्योंकि यह उनकी (भारतीय जनता पार्टी की) अपनी करनी का नतीजा है और बयान के दौरान इस नाकामी के उजागर होने का डर है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' प्रधानमंत्री से मणिपुर हिंसा को लेकर संसद में बयान देने की मांग कर रहा है। बोरा ने कहा कि भाजपा ने 'रणनीति' के तहत फैसला किया है कि पूर्वोत्तर राज्य में जारी हिंसा को लेकर कोई बयान नहीं दिया जाए। बोरा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने रणनीति के तहत मणिपुर पर कोई बयान नहीं देने का फैसला किया है। उनके पास कुछ भी कहने को नहीं है क्योंकि यह उनका किया धरा और उनकी नाकामी है। अगर वे कोई बयान देंगे तो उनकी सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह खुफिया एजेंसियों की नाकामी है जो मणिपुर में तनाव पैदा होने की स्थिति का समय रहते पता नहीं लगा पाई।

असम: बजरंग दल शिविर आयोजकों पर हथियार प्रशिक्षण देने का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम पुलिस ने दरांग जिले के एक स्कूल में हथियार प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के आरोप में बजरंग दल कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मंगलदाई पुलिस थाने में बजरंग दल कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153ए/34 (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और सद्भाव बनाए रखने के प्रतिकूल कार्य करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दरांग पुलिस ने एक ट्वीट में कहा, महर्षि विद्या मंदिर, मंगलदाई में राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर से संबंधित वीडियो के संदर्भ में आईपीसी के तहत मंगलदाई पुलिस थाने में मुकदमा संख्या 357 यू/एस 153 ए/34 दर्ज किया गया है।

हथियारों के प्रशिक्षण शिविर का कथित वीडियो सोमवार को सार्वजनिक हुआ था, जिसके बाद असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने दरांग जिले के पुलिस अधीक्षक को मामला दर्ज करने और शिविर में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

बजरंग दल ने कहा कि दरांग के मोरनोई गांव में आयोजित शिविर में 350 युवाओं को बंदूक चलाने और मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण देने के अलावा कला, राजनीति एवं आध्यात्मिकता का पाठ पढ़ाया गया।

बजरंग दल के प्रवक्ता ने दावा किया कि पड़ोसी देशों से आए अवैध अप्रवासियों से होने वाले सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए ऐसे शिविर नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाते हैं।

छेत्री, झिंगन, गुरप्रीत एशियाई खेलों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री, सीनियर डिफेंडर संदेश झिंगन और सीनियर गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू को मंगलवार को एशियाई खेलों के लिए भारत की 22 सदस्यीय फुटबॉल टीम में शामिल किया गया। चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में टीम राष्ट्रीय टीम के मुख्य केच इगोर स्टिमक के मार्गदर्शन में खेलेगी। पीटीआई ने पहले खबर दी थी कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) छेत्री के नेतृत्व में और 1998 में विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली क्रोएशियाई टीम के सदस्य स्टिमक के मार्गदर्शन में एशियाई खेलों में अपनी शीर्ष टीम भेजने को लेकर उत्साहित था। पता चला है कि भारतीय को एशियाई खेलों के आयोजकों और एशियाई ओलंपिक परिषद से मंजूरी मिल गई है। हांगझोउ खेलों में भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीम की भागीदारी पहले संदेह में थी क्योंकि खेल मंत्रालय ने पात्रता तय की थी कि महाद्वीप में शीर्ष आठ में शामिल टीम को ही खेलों के लिए भेजा जाएगा।

टीम इस प्रकार है: गोलकीपर: गुरप्रीत सिंह संधू, गुरमीत सिंह, धीरज सिंह मोइरंगथेम। **डिफेंडर:** संदेश झिंगन, अनवर अली, नरेंद्र गहलोत, लालचुंगनुंगा, आकाश मिश्रा, रोशन सिंह, आशीष राय। **मिडफील्डर:** जैकसन सिंह थौनाओजम, सुरेश सिंह वांगजैम, अपुइया राल्टे, अमरजीत सिंह कियाम, राहुल केपी, नाओरेम महेश सिंह। **फारवर्ड:** शिव शक्ति नारायणन, रहीम अली, सुनील छेत्री, अनिकेत जाधव, विक्रम प्रताप सिंह, रोहित दानू।

भारत के युवा खिलाड़ियों को एकदिवसीय प्रारूप में पारी को आगे बढ़ाना सीखना होगा: ओझा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा का मानना है कि घरेलू सरजमीं पर खेले जाने वाले एकदिवसीय विश्व कप से पहले भारतीय टीम के युवा बल्लेबाजों को अपनी पारी को गति देना सीखना चाहिए।

वेस्टइंडीज दौरे पर पहले वनडे में 114 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए भारत ने पांच विकेट गंवा दिए थे। नियमित कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी विराट कोहली की गैरमौजूदगी में टीम को दूसरे एकदिवसीय में हार का सामना करना पड़ा। ओझा ने जियो सिनेमा द्वारा आयोजित बातचीत में कहा, कुछ चीजों पर ध्यान देना बहुत महत्वपूर्ण है। टीम में जो बल्लेबाज नए हैं उन्हें पता होना चाहिए कि अपनी पारी को कैसे गति देनी है। यह अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, भारत के पास 2011 में ऐसे खिलाड़ी थे जो जानते थे कि अपनी पारी को कैसे गति देनी है और उनकी भूमिका क्या है। लेकिन इतनी सारी चोटों और बदलावों के कारण, यह एक अलग चुनौती है जिसका भारतीय टीम अभी सामना कर रही है।

भारत के लिए 24 टेस्ट, 18 वनडे और छह टी20 मैच खेलने वाले ओझा ने कहा कि श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसे कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपलब्धता विश्व कप के लिए टीम की तैयारी में बाधा डाल सकती है। उन्होंने कहा, जब आप 2011 के बारे में बात करते हैं, तो उस टीम के अधिकांश खिलाड़ियों ने 70-80 से ज्यादा मैच खेले थे। हर बार सभी अनुभवी खिलाड़ियों को उपलब्ध रखना आसान नहीं होगा। यही कारण है कि भारत अलग-अलग तरह की चुनौतियों का सामना कर रहा है।

सुविचार

जिंदगी एक मिनट में नही बदलती, पर एक मिनट में लिया गया फैसला ज़िन्दगी बदल देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संयम और सूझबूझ जरूरी

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक कांस्टेबल द्वारा महाराष्ट्र के पालघर स्टेशन के पास चलती ट्रेन में गोलियां चलाकर वरिष्ठ सहकर्मी और तीन अन्य यात्रियों को मौत के घाट उतार दिए जाने की घटना अत्यंत भयावह है। वर्दी और बंदूक अपने साथ बहुत बड़ी जिम्मेदारी लेकर आती हैं। एक सैनिक में शक्ति और साहस के साथ संयम और सूझबूझ का होना बहुत जरूरी है। उक्त कांस्टेबल का कथित वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उसमें यात्रियों के चेहरों पर घबराहट साफ नजर आ रही है, जो स्वाभाविक है। अगर 'रक्षक' ही ऐसा कृत्य कर बैठे तो बचाव की उम्मीद किससे की जाए? घटना के बाद रेलवे की ओर से त्वरित कार्रवाई की गई, जिससे इस बात को लेकर विश्वास मजबूत होता है कि पीड़ितों को न्याय मिलेगा। आरोपी कांस्टेबल ने भागने की कोशिश की थी, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। उसे सात अगस्त तक राजकीय रेलवे पुलिस की हिरासत में भी भेज दिया गया है। रेलवे बोर्ड ने घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन कर दिया है। इस उच्च स्तरीय समिति की जांच के बाद ही गोलीकांड की असलियत सामने आएगी। इस बीच सोशल मीडिया पर कई तरह के दावे किए जा रहे हैं। कई लोग सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए भड़काऊ पोस्ट शेयर कर रहे हैं। जब मामला जांच समिति के हवाले कर दिया गया है तो सबको उसके निष्कर्ष की प्रतीक्षा करनी चाहिए। बड़ा सवाल है– कांस्टेबल अचानक उग्र क्यों हो गया? ऐसी क्या वजह थी कि उसने अपने वरिष्ठ सहकर्मी और तीन अन्य यात्रियों पर गोलियां बरसा दीं? विभिन्न रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि घटना एक विषय पर बहस से शुरू हुई, जिससे माहौल गरम हो गया था।

प्राय: यह देखने में आता है कि कार्य स्थल पर या सफर के दौरान कभी-कभार कुछ खास मुद्दों पर बातचीत 'बहस' में बदल जाती है, जो बाद में बहुत 'तीखी' हो जाती है। ऐसे मुद्दों को चिह्नित कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन पर वहां किसी भी तरह की चर्चा न हो, सब लोग शांति और सद्भाव बनाए रखें। संभवत: यह रेलवे में इस तरह की पहली घटना है। इसने एक महत्त्वपूर्ण विषय की ओर ध्यान आकर्षित किया है। इससे पहले सुरक्षा बलों में कुछ घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें किसी सैनिक ने अपने साथी सैनिक या वरिष्ठ अधिकारी को निशाना बनाया। प्राय: इन मामलों में आपसी कहा-सुनी, पारिवारिक विवाद या डिप्रेशन जैसे कारण सामने आते हैं। आरोपी आरपीएफ कांस्टेबल भी डिप्रेशन से ग्रस्त बताया जा रहा है। आज कामकाजी लोगों में डिप्रेशन एक बड़ा मर्ज बनता जा रहा है। कुछ दशक पहले तक इसे 'बड़े लोगों' और 'महानगरों' की समस्या समझा जाता था, लेकिन यह सच नहीं है। मानसिक समस्याएं किसी भी वर्ग और स्थान से संबंधित लोगों को हो सकती हैं। जिस तरह शारीरिक रोग होते हैं, उसी तरह मानसिक रोग भी हो सकते हैं। इन्हें किसी वर्ग या स्थान से जोड़कर देखने के बजाय कारण और समाधान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आज नौकरी के लिए अत्यधिक प्रतिस्पर्धा, चुनौतीपूर्ण माहौल, पारिवारिक समस्याएं, सोशल मीडिया के प्रभाव ... आदि से डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई मामलों में ऐसा होता है कि लोग किसी से अपने मन की बात साझा नहीं कर पाते। उन्हें झिझक होती है। उसके बाद जब वे एक खास तरह के माहौल में जाते हैं और कोई बात ग़लत लगती है तो वह चिंगारी का काम कर जाती है। टीवी चैनलों पर होने वाली विभिन्न प्रकार की बहसों में एक-दूसरे के लिए अशालीन शब्दों के प्रयोग के अलावा मारपीट जैसी घटनाएं हो चुकी हैं। इन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है। साथ ही उन सामाजिक, मनोवैज्ञानिक उपायों पर ध्यान देना चाहिए, जिनके जरिए ऐसी अप्रिय घटनाओं को होने से टाला जाए।

ट्वीटर टॉक

महाराष्ट्र के शाहपुर, ठाणे क्षेत्र में हाइवे निर्माण के दौरान हुए हादसे में मृतक श्रमिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और घायल मजदूरों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

–सीपी जोशी

राजस्थान में जो महिला अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही है, उसका कारण सिर्फ और सिर्फ हमारे कामों पर ध्यान नहीं देना है। प्रधानमंत्री ने राजस्थान में महिला उत्पीड़न के बढ़ रहे आंकड़ों पर कड़े शब्दों में चिंता जाहिर करते हुए कहा था कि ऐसी भयावह स्थिति पहले कभी नहीं देखी गई है।

–वसुंधरा राजे

कांग्रेस सरकार के प्रयासों के बावजूद भी भाजपा के कार्यकर्ता आज सचिवालय घेराव के लिए बड़ी संख्या में पहुंचे हैं। राजस्थान की जनता, कांग्रेस का अत्याचार अब सहने वाली नहीं, इसका इन्हें आगामी चुनाव में मुंह तोड़ जवाब मिलेगा।

–दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

मोक्ष के भ्रम

एक बार संत रामचंद्र के पास एक भक्त आया और बोला, 'महाराज, मेरे परिवार में पर्याप्त सुख है, अपार धन-संपत्ति है, संतान भी हैं, लेकिन केवल दो पुत्रियां हैं। कोई पुत्र नहीं है।' संत जी बोले, 'तुम पुत्र प्राप्ति के लिए इतने लालायित क्यों हो?' इस पर वह व्यक्ति बोला, 'महाराज, पुत्र के बिना मुझे मोक्ष की प्राप्ति नहीं होगी।' संत बोले, 'क्या तुमने किसी ऐसे व्यक्ति को देखा है जिसकी केवल पुत्रियां हों और उसे मोक्ष की प्राप्ति न हुई हो।' भक्त बोला, 'महाराज, मैंने किसी ऐसे व्यक्ति को देखा तो नहीं है परंतु इस तरह की बातें सुनी अवश्य हैं।' इस पर संत जी ने कहा, 'जिस तथ्य को तुमने स्वयं देखा नहीं, उसे मानते क्यों हो? जीवन में असंगत, तर्कहीन व सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास करना अपने जीवन को व्यर्थ करने जैसा है। एक संस्कारयुक्त बेटी संस्कारशून्य पुत्रों से कहीं बेहतर है। तुम दोनों पुत्रियों को ही पुत्र तुल्य मानकर अपना उत्तराधिकारी मानो। उन्हें अच्छी शिक्षा दिलाओ। उनका भली-भांति पालन-पोषण करो व भेदभाव की संकीर्ण सोच से ऊपर उठकर उनके व अपने उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए जीवन जियो।

सामयिक

शिक्षा बीच में छोड़ने की बढ़ती प्रवृत्ति चिन्ताजनक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आजादी के अमृतकाल को सार्थक करने में शिक्षा ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो सकती है। कहा जा सकता है कि शिक्षा ही एक ऐसा हथियार भी है जिससे इंसान न केवल खुद को, बल्कि समाज, राष्ट्र एवं दुनिया को भी बदल सकता है। बात जब नया भारत-सशक्त भारत बनाने की हो रही है तो शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने एवं सर्वाधिक ध्यान देने की जरूरत है। लेकिन चिंता की बात यह है कि सरकारों की इस सकारात्मक सोच के बावजूद हमारी शिक्षा प्रणाली विपरीत संकेत देती रही है। भारत में उच्च शिक्षा एवं स्कूली शिक्षा में छात्र-छात्रों के ड्रॉपआउट्स की संख्या यानी बीच में ही पढ़ाई छोड देने की संख्या बढ़ना न केवल शिक्षा-व्यवस्था पर बल्कि सरकार की शिक्षा नीति एवं व्यवस्था पर एक बड़ा सवाल बनता जा रहा है। संसद में दिये गये एक जबाव के अनुसार देश के नामी उच्च शिक्षण संस्थानों में पिछले पांच साल के दौरान 34 हजार से ज्यादा छात्र बीच में ही पढ़ाई छोड़ गए। दूसरी ओर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से सन 2022 की बोर्ड परीक्षाओं के विश्लेषण में बताया गया है कि दसवीं और बारहवीं के स्तर पर देश में लाखों बच्चे पढ़ाई छोड़ देते हैं। विश्लेषण के मुताबिक, पिछले साल पैंतीस लाख विद्यार्थी दसवीं के बाद ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ने नहीं गए। इनमें से साढ़े सत्ताइस लाख सफल नहीं हुए और साढ़े सात लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा नहीं दी। इसी तरह, पिछले साल बारहवीं के बाद 2.34 लाख विद्यार्थियों ने बीच में पढ़ाई छोड़ दी। इनमें से सतहत्तर फीसद ग्यारह राज्यों से थे। यानी करीब अड़ावन लाख विद्यार्थी दसवीं और बारहवीं में पढ़ाई छोड़ देते हैं तो यह किसी भी सरकार के लिए बेहद चिंता की बात होनी चाहिए और यह समग्र शिक्षा व्यवस्था से लेकर सरकारी कल्याण कार्यक्रमों के जमीनी स्तर पर अमल पर सवालिया निशान है। बात उच्च शिक्षा की करें तो वैश्विक मापदण्डों पर हमारी शिक्षण संस्थाएं काफी पीछे नजर आती हैं। यह तो तब है जब आजादी के 76 सालों में सरकारों ने शिक्षा के प्रसार की दिशा में काफी प्रयास किये, बहुआयामी योजनाओं को आकार दिया एवं बजट में भी भारी भरकम प्रावधान किये हैं। 34 हजार से ज्यादा बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने वाले छात्रों में भी दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के विद्यार्थी ज्यादा हैं। ये संस्थान कोई सामान्य सरकारी कॉलेज नहीं बल्कि आइआइटी, एनआइटी और आइआइएसईआर, आइआइएम व केन्द्रीय विश्वविद्यालय और इनके जैसे स्तर के हैं। ऐसे संस्थानों में क्या पढ़ाई का स्तर व माहौल उचित नहीं है? सरकार और देश के शिक्षाविदों को इस तथ्य को लेकर भी चिंता करनी ही होगी कि बीते पांच साल में इन उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेने वाले 92 विद्यार्थियों ने पढ़ाई के बीच में ही आत्महत्या क्यों कर ली? ऐसे ही आईआईटी बुम्बई के फर्स्ट ईयर के छात्र दर्शन सोलंकी ने पिछले दिनों खुदकुशी कर ली, इसके बाद वहां के छात्रों से अधिकारिक तौर पर कहा गया है कि छात्र एक दूसरे से जी (एडवांस) रैंक या गेट स्कोर के बारे में पूछताछ न करें। न ही ऐसा कोई सवाल करें जिससे छात्र की जाति और उससे जुड़े पहलू उजागर होते हो। इस तरह की गाइडलाइन की जरूरत केवल आईआईटी बुम्बई को ही नहीं, बल्कि सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को हैं। लेकिन सवाल तो यह भी है कि क्या ऐसे सांकेतिक कदमों से आत्महत्या की बढ़ती संख्या जैसी गंभीर समस्याओं को हल किया जा सकता है।

किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था की कामयाबी इसमें है कि शुरुआती से लेकर उच्च स्तर तक की शिक्षा हासिल करने के मामले में एक निरंतरता हो। अगर किसी वजह से आगे की पढ़ाई करने में किसी विद्यार्थी के सामने अड़चनें आ रही हो तो उसे दूर करने के उपाय किये जाएं। लेकिन बीते कई दशकों से यह सवाल लगातार बना हुआ है कि एक बड़ी तादाद में विद्यार्थी स्कूल-कॉलेजों में बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं और उनकी आगे की पढ़ाई को पूरा कराने के लिए सरकार की ओर से ठोस उपाय नहीं किए जाते। इस मसले पर सरकार से लेकर शिक्षा पर काम करने वाले संगठनों की अध्ययन रपटों में अनेक बार इस चिंता को रेखांकित किया गया है, लेकिन अब तक इसका कोई सार्थक हल सामने नहीं आ सका है।

तमाम सरकारी प्रयासों एवं योजनाओं के शिक्षा महंगी होती जा रही है, प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है, स्तर के स्कूलों एवं कालेजों में प्रवेश असंभव होने से निजी स्कूलों एवं कालेजों में बच्चों को पढ़ाना विवशता बनती जा रही है। कोई परिवार हिम्मत करके निजी स्कूलों एवं कालेजों में प्रवेश दिलाते भी है तो आर्थिक मजबूरी के कारण उन्हें बीच में बच्चों को स्कूल से निकाल लेने को विवश होता पड़ता है। सरकार की बड़ी-बड़ी योजनाओं के बीच छात्रों के स्कूल-कालेज छोड़ने की स्थितियों को गंभीरता से लेना होगा। शिक्षा को पेचिदा बनाने की बजाय सहज, निष्कंटक, कम खर्चीली एवं रोचक बनाना होगा। शिक्षा को रोचक बनाना भी जरूरी है ताकि कुछ बच्चों को स्कूल-कालेज बोरिंग न लगे है, 9वीं और 10वीं कक्षा तक आते-आते कई बच्चों को स्कूल-कालेज बोरिंग लगने लगता है। इस कारण वे स्कूल-कालेज देरी से जाना चाहते हैं, क्लास बंक कर देते हैं और लंच ब्रेक में बैठे रहते हैं। पढ़ाई से लगाव ना होने की वजह से अक्सर छात्र स्कूल-कालेज छोड़ देते हैं। किसी भी वजह से छात्रों का पढ़ाई छोड़ने का मन करना, पैरेंट्स के लिए एक बड़ी परेशानी है, लेकिन यह शिक्षा की एक बड़ी कमी की ओर भी इशारा भी करता है।

बच्चों को स्कूल भेजे जाने का उद्देश्य शिक्षा ग्रहण कर एक अच्छा नागरिक बनना तो है ही, शिक्षा विकोपार्जन एवं उन्नत राष्ट्र-निर्माण में भी प्रमुख भूमिका निभाती है। लेकिन मौजूदा समय में ज्यादातर स्कूल-कालेज प्रबंधन इसे एक व्यवसाय के रूप में देखने लगे हैं, सरकारें भी शिक्षा की जिम्मेदारी से भाग रही है, भारत में शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने के बाद ज़मीनी स्तर पर बहुत सारी चीज़ें बदली हैं। मसलन स्कूलों में बच्चों का नामांकन बढ़ा है। हर साल आठवीं पास करने वाले बच्चों की संख्या के आँकड़े तेज़ी से बढ़े हैं। पर इसके साथ ही शिक्षा में गुणवत्ता और स्कूल में बच्चों के ठहराव का सवाल ज्यों का त्यों कायम है। विशेषत: उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों का बीच में पढ़ाई छोड़ देना, एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। तमाम दूसरे क्षेत्रों में हमारी प्रतिभाओं का दुनिया लोहा मानती है। यह भी सच है कि हमारे इन नामी-गिरामी उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले भी कड़ी स्पर्धा के बीच होते हैं। इसके बावजूद विद्यार्थी क्यों ऐसे संस्थानों से भी मुंह मोड़ते दिख रहे हैं इस बात पर सरकारों को गहनता से विचार करना होगा। अन्यथा ऐसे संस्थानों से बीच में पढ़ाई छोड़कर जाने का सिलसिला थमने वाला नहीं।

देश में शिक्षा के स्तर के सुधार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बीच इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि दुनिया के शीर्ष सौ उच्च शिक्षण संस्थानों में भारत से एक भी नाम नहीं है। आज भी सक्षम परिवारों की उच्च शिक्षा के लिए पहली पसंद विदेश के शिक्षण संस्थान बने हुए हैं। संसाधनों की कमी और बेहतर शिक्षकों का अभाव इसकी वजह हो सकती है। लेकिन यह भी सही है कि अफसरशाही के रवैये के चलते हमारे बेहतर कहे जाने वाले शिक्षण संस्थानों में भी पढ़ाई का माहौल नहीं बन पाता।

सरकारी योजनाओं एवं नीतिगत स्तर पर शिक्षा को उच्च प्राथमिकता मिलती दिखती है, बावजूद इसके छात्रों के बीच में पढ़ाई छोड़ने की प्रवृत्ति नीतिगत स्तर पर नाकामी या फिर उदासीनता का ही सूचक है। यह समझना मुश्किल है कि इतने लंबे वक्त से यह चिंता कायम है फिर क्यों नहीं इस मसले पर किसी हल तक पहुंचना एक ऐसा सवाल है जिस पर व्यापक चिन्तन-मंथन जरूरी है। यह जगजाहिर है कि एक ओर स्कूल-कालेज में शिक्षा पद्धति में तय मानक बहुत सारे विद्यार्थियों के लिए सहजता से ग्राह्य नहीं होते, वहीं पढ़ाई में निरंतरता नहीं रहने के पीछे पठन-पाठन के स्वरूप से लेकर गरीबी, पारिवारिक, सामाजिक और अन्य कई कारकों से जुड़ा हुआ है और इसके समाधान के लिए सभी बिंदुओं को एक सूत्र में रखकर ही देखने की जरूरत होगी।

राजनीति

शरद पवार की मोदी से मुलाकात के मायने

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

मराठा दिग्गज शरद पवार ने मंगलवार को पुणे के एक समारोह में अपने साथी विपक्षी नेताओं के विरोध को दर किनार कर देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा कर एक तीर से कई निशाने साधे है। कहते है राजनीति में दिखता है वो होता नहीं है और जो होता है वो दिखता नहीं है। यह वह समय है जब विपक्ष मणिपुर मामले में सरकार का विरोध कर रहा है। इस मुलाकात को इंडिया गठबंधन के दल संदेह की दृष्टि से देख रहे। उनका कहना है इससे विपक्ष की धार कुंद हुई है। एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई इस मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। पवार की इस मुलाकात के बहाने मोदी ने भी ये जता दिया कि विपक्ष का सबसे ताकतवर स्तंभ अगर मुझसे मिल रहा है, तो इसका कोई तो मतलब होगा ही। पवार के इस कदम से इंडिया के नेताओं की नींद उड़ गई है। समारोह की एक तस्वीर वायरल हो रही है जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एनसीपी प्रमुख शरद पवार दोनों ही खुलकर हंसते दिख रहे हैं। पवार और मोदी की मुस्कुराहट देखकर कांग्रेस ही नहीं, पूरे इंडिया गठबंधन के नेताओं को यह डर सताने लगा होगा कि उन्हें अब टूट से बचना होगा। यह ऐसा वक्त है जब भाजपा के खिलाफ विपक्ष ठीक तरह से एकजुट भी नहीं हो पाया है। एनसीपी में विभाजन के बाद यह पहला मौका है जब पवार ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मंच साझा किया है।

शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने इस मुलाकात पर कहा कि लोकतंत्र में संवाद का होना बेहद आवश्यक है। पवार ने कुछ सांसदों से मुलाकात नहीं की जो उन्हें इस अवसर की शोभा बढ़ाने से रोकना चाहते थे। इंडिया के सदस्यों का मानना है कि ऐसे वक्त में जब भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर एक मोर्चा बनाया जा रहा है तो पवार का इस कार्यक्रम में शामिल होना विपक्ष के लिए अच्छा नहीं होगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पुणे में एक समारोह में शामिल होने पहुंचे लेकिन उनका ये शिरकत करना तब सुर्खियां बन गया जब मंच पर छठ्ठा शरद गुट के चीफ शरद पवार मौजूद दिखे। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का गर्मजोशी से स्वागत किया। मोदी खुद शरद पवार से मिलने पहुंचे और हाथ मिलाकर उनसे बातचीत की। हालांकि दोनों नेताओं के मुलाकात की ये तस्वीरें विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया'को झटका देने वाली हैं। पवार ने इस अवसर पर कहा अटल बिहारी वाजपेई डॉ मनमोहन सिंह शंकर दयाल शर्मा इंदिरा गांधी जैसे लोगों को बाल गंगाधर तिलक पुरस्कार से नवाजा गया है। अब लिस्ट में प्रधानमंत्री मोदी का नाम शामिल हो रहा है, उन्हें में दिल की गहराइयों से बधाई देता हूं। उन्होंने जो काम देश के लिए किया इसलिए उनका चयन इस पुरस्कार के लिए किया गया है। इसके साथ राजनीतिक गलियारों में भी कयास लगने शुरू हो गए हैं। इस मुलाकात पर शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने अपने पिता के मोदी से मुलाकात के फैसले को सही ठहराया। सुप्रिया बोलीं कि लोकतंत्र में संवाद अहम है और इसलिए ही वो प्रधानमंत्री मोदी और अपने पिता शरद पवार के एक साथ मंच साझा करने में कुछ भी गलत नहीं देखतीं।

विशेष

नारी प्रधान रचनाओं के कालजयी शिल्पकार मैथिलीशरण गुप्त

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत रचनाओं के कारण हिंदी साहित्य में इनका विशेष स्थान है। हिंदी में राज सभाओं की पुनीत गंगा बहाने का श्रेय भी गुप्ता जी को ही है। वे सच्चे अर्थों में लोगों में राष्ट्रीय भावनाओं को भरकर उनमें जनजागृति लाने वाले राष्ट्रकवि हैं। उनकी तमाम रचनाएं काव्य हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि है।

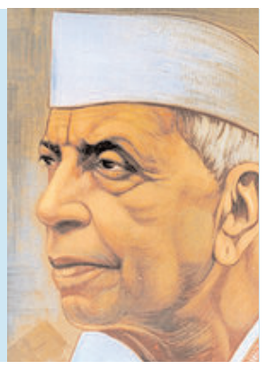

हिंदी साहित्य में खड़ी बोली को साहित्यिक रूप देने में मैथिलीशरण गुप्तजी का बहुत बड़ा महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील योगदान है। गुप्त जी की भाषा में माधुर्य भाव की तीव्रता और प्रयुक्त शब्दों का सुंदर सामंजस्य है। वे गंभीर से गंभीर विषयों को भी सरल सीधे शब्दों में पिरोने में सिद्धहस्त रचनाकार थे। गुप्तजी एक महान साहित्यकार कवि और कविता के साथ-साथ मुक्तक, नीति, गीत, नाटक और नाटक क्षेत्र के एक स्थापित नाम हैं। उनकी रचना पत्रावली पत्र शैली में रचित नूतन काव्य शैली का नमूना है और इस महान शैली में गेयता, प्रवाहमयता और संगीत्माकता हमेशा उपस्थित रही है।

मैथिलीशरण गुप्त जी का जन्म 3 अगस्त 1886 को झांसी जिले के चिरगांव नामक स्थान पर हुआ था। उनके पिता सेठ रामचरण गुप्ता और माता काशीबाई जी थीं। इनके पिता श्री को हिंदी साहित्य में विशेष प्रेम था और मैथिलीशरण जी पर उनके पिता का गहन प्रभाव पड़ा जिसके फलस्वरूप उन्होंने अनेक ग्रंथों और काव्य कृतियों की रचना इस देश को समर्पित की। गुप्त जी की प्रारंभिक शिक्षा चिरगांव तथा झांसी में हुई। अपने घर पर ही अंग्रेजी, बांग्ला, संस्कृत और हिंदी का अध्ययन करने वाले गुप्त जी की प्रारंभिक रचनाएं कोलकाता से प्रकाशित होने वाले समाचार पत्र 'वैश्योपकरक' में छपती रही, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी के संपर्क में आने पर उनके परामर्श से उनके साहित्यिक पक्ष में काफी निखार है। गांधीजी ने हिंद की विशिष्ट रचना पर इन्हें राष्ट्र कवि का दर्जा प्रदान किया। गांधीजी के संपर्क में आने के बाद स्वतंत्रता आंदोलन में भी कूद पड़े थे स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान गुप्तजी को कई बार जेल भी हुई थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सन 1952 में गुप्त जी को राज्यसभा का सदस्य भी मनोनीत किया गया था। वर्ष 1954 में पद्म भूषण सम्मान से भी सम्मानित किया गया 12 दिसंबर 1964 को देश ने इस महान साहित्यकार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी खो दिया था।

मैथिलीशरण गुप्तजी की राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत रचनाओं के कारण हिंदी साहित्य में इनका विशेष स्थान है। हिंदी में राज सभाओं की पुनीत गंगा बहाने का श्रेय भी गुप्ता जी को ही है। वे सच्चे अर्थों में लोगों में राष्ट्रीय भावनाओं को भरकर उनमें जनजागृति लाने वाले राष्ट्रकवि हैं। उनकी तमाम रचनाएं काव्य हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि है। गुप्त जी की कविताओं का प्रमुख स्वर राष्ट्रप्रेम ही रहा है भारत भारती में प्राचीन भारतीय संस्कृति का प्रेरणाप्रद भी किया है। इनकी रचनाओं में व्यक्त स्वदेश प्रेम ही इनकी रचनाओं में राष्ट्रप्रेम और नवीन राष्ट्रीय भावनाओं में वर्णित हो गया। उनकी कविता में आज की समस्याओं और विचारों के स्पष्ट दर्शन होते हैं गांधीवाद तथा आर्य समाज से काफी काफी प्रभावित कर रहे हैं। गुप्तजी ने अपने काव्य रचनाओं की पृष्ठभूमि आज के वर्तमान समय को ना लेकर प्राचीन ऐतिहासिक ग्रंथों तथा पुराणों से ली है उन्होंने अपनी रचनाओं में अतीत के गौरव गाथाओं का स्पष्ट वर्णन एवं मानवतावादी नैतिक प्रेरणा का भरपूर इस्तेमाल किया गया है। दूसरी तरफ मैथिलीशरण गुप्त जी का हृदय स्त्रियों के प्रति संवेदना सहानुभूति और करुणा से अप्लावित रहा है उन्होंने महिलाओं के मनोव्यथा को यशोधरा, उर्मिला, कैकई जैसी रचनाओं में स्पष्ट तौर पर इंगित की है। रचनात्मकता के साथ गुप्तजी पर गांधीजी का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा इसलिए उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया और कई बार कारावास की यात्रा भी की थी। वह एक सच्चे राष्ट्र कवि थे और उनकी समस्त रचनाएं हिंदी साहित्य की धरोहर मानी जाती हैं। वे मृत्यु पपरंत काव्य साधना में लीन रहे और राष्ट्र के प्रति अपनी रचनाओं को समर्पित करते रहे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने उन्हें डिलीट की उपाधि प्रदान की थी। देश को समर्पित उनकी वैसे तो कई ग्रंथ हैं पर उनमें महत्वपूर्ण यशोधरा, साकेत, भारत भारती, पंचवटी, जय भारत पृथ्वी पुत्र, किसान, हिंदू चंद्रहास, द्वापर आदि बहुत महत्वपूर्ण रही हैं। उन्होंने बंगला की कई रचनाओं का अनुवाद भी किया था वह एक बड़े राष्ट्रभक्त राजनेता, कवि रचनाकार और श्रेष्ठ अनुवादक भी रहे हैं। अपने काव्य में राष्ट्रीय भावनाओं की गंगा बहाने वाले गुप्तजी दिवेदी युग के अनमोल रतन रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जश्न

बिहार सरकार के जाति आधारित सर्वेक्षण के खिलाफ पटना उच्च न्यायालय द्वारा याचिका खारिज किये जाने के बाद मंगलवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजद नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के साथ जश्न मनाया।

मोदी ने पुणे के दगडूशेठ मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पुणे के दगडूशेठ हलवाई गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना की। दिल्ली से पुणे पहुंचने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी शिवाजी रोड स्थित इस प्रसिद्ध गणेश मंदिर में पहुंचे। मंदिर के न्यासियों ने बताया कि मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने इस पद पर रहते हुए मंदिर के दर्शन किए तथा वहां पूजा-अर्चना की। कुछ पूर्व राष्ट्रपति पद पर रहते हुए तथा बाद में, पूर्व प्रधानमंत्री, कैबिनेट मंत्री, मुख्यमंत्री तथा राजनीतिक नेता 10 दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। दगडूशेठ हलवाई मंदिर का प्रबंधन श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति ट्रस्ट करता है और यह राज्य के सबसे अमीर मंदिरों में से एक है तथा श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां विराजमान देवता मनोकामनाओं की पूर्ति करते हैं। फखरुद्दीन अली अहमद राष्ट्रपति पद पर रहते हुए मंदिर आए थे और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, चंद्रशेखर तथा आई के गुजराल पद पर न रहने के बाद मंदिर में पूजा-अर्चना कर चुके हैं।

वाजपेयी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी यहां दर्शन करने आए थे जबकि शंकर दयाल शर्मा राष्ट्रपति पद का अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद मंदिर में आए थे।

हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राकांपा प्रमुख शरद पवार, पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंदिर के दर्शन किए थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत भी मंदिर में पूजा-अर्चना कर चुके हैं। ट्रस्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पंडित भीमसेन जोशी, बिस्मिल्लाह खान और लता मंगेशकर ने भी इस मंदिर के दर्शन किए थे।

इंदिरा गांधी के आरएसएस के कई नेताओं से थे अच्छे संबंध, पर संघ से रखी दूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के कई नेताओं से अच्छे संबंध थे लेकिन उन्होंने सतर्कतापूर्ण संगठन से व्यक्तिगत दूरी रखी। एक नयी किताब में यह दावा किया गया है। 'हाउ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड' नामक किताब के मुताबिक संघ नेताओं ने मदद के लिए इंदिरा गांधी से संपर्क किया और पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने उद्देश्यों के लिए इन संबंधों का इस्तेमाल किया। पत्रकार नीरजा चौधरी ने यह किताब लिखी है और उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों के काम करने के तरीके का विश्लेषण उनके ऐतिहासिक महत्व के छह फैसलों के आधार पर किया है। इन छह निर्णयों में इंदिरा गांधी की आपातकाल के बाद 1980 में सत्ता में वापसी की रणनीति, शाह बानो मामला, मंडल आयोग, बाबरी मस्जिद की घटना, अटल बिहारी वाजपेयी की परमाणु परीक्षण की अनुमति और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भारत-अमेरिका परमाणु समझौता शामिल है।किताब में दावा किया गया है कि आरएसएस ने पूरे आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी के साथ मित्रवत संबंध रखा।

चौधरी लिखती हैं, '' आरएसएस प्रमुख बालासाहेब देवरस ने कई बार उन्हें पत्र लिखा। कुछ आरएसएस नेताओं ने कपिल मोहन के जरिये संजय गांधी से संपर्क किया। अब 1977 में उन्हें यह देखना है कि कैसे प्रतिक्रिया करनी है लेकिन उन्हें बहुत सतर्क होकर काम करना होगा।'' चौधरी ने किताब में कहा, '' जिस तरह से आरएसएस नेता मदद के लिये उनसे संपर्क में थे, उन्होंने भी अपने हित के लिए आरएसएस का इस्तेमाल किया लेकिन सतर्कतापूर्वक संगठन से दूरी बनाए रखी। आरएसएस के विरोध के बावजूद आपातकाल में वह उसका समर्थन पाने में सफल रहीं।'' उन्होंने लिखा कि कांग्रेस के प्रति मुसलमानों की नाखुशी का अहसास होने पर वह अपनी राजनीति का 'हिंदूकरण' करना चाहती थीं और जानती थी कि आरएसएस का मौन समर्थन या यहां तक उसका तटस्थ रूख भी इसमें सहायक होगा। लेखिका के मुताबिक उनकी किताब सत्ता और उच्चस्थ पदों पर बैठे लोगों द्वारा इसके इस्तेमाल को लेकर है।

अध्यायों में यह दर्शाया गया है कि बहुमत वाली सरकारों में प्रधानमंत्री कैसे शक्ति का इस्तेमाल करते थे और गठबंधन वाली सरकार में उनका रुख कैसा होता था। किताब में इंदिरा गांधी के करीबी अनिल बाली के हवाले से कहा गया, '' आरएसएस ने 1980 में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी में मदद की।'' बाली ने दावा किया, '' वह जानती थीं कि आरएसएस ने उनका समर्थन किया है लेकिन उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसे कभी स्वीकार नहीं किया, वह निजी तौर पर स्वीकार करती थीं कि अगर आरएसएस ने समर्थन नहीं किया होता तो वह 353 सीट नहीं जीत सकती थीं जो 1971 से एक सीट अधिक थी।'' उन्होंने कहा कि 'मंदिर बार-बार जाने पर आरएसएस नेतृत्व ने भी संज्ञान लिया।

क्रूज जहाज से भारतीय महिला लापता

सिंगापुर। प्रायद्वीपीय मलेशिया के पेनांग से सिंगापुर जलडमरूमध्य के रास्ते रवाना हुए एक क्रूज जहाज पर सवार 64 वर्षीय भारतीय महिला लापता हो गई। यह घटना सोमवार को रीता साहनी और उनके पति जाकेश साहनी के साथ स्पेक्ट्रम ऑफ द सीज पर सवार होकर पेनांग से सिंगापुर वापस जाते समय हुई। स्थानीय रिपोर्ट में कहा गया है कि इस जोड़े की चार दिवसीय क्रूज यात्रा का सोमवार को आखिरी दिन था। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की मंगलवार की रिपोर्ट के अनुसार, 70 वर्षीय जाकेश जब उठे तो उन्होंने अपनी पत्नी को अपने कमरे से गायब पाया। जाकेश ने क्रूज पर अपनी पत्नी को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहे। बाद में उन्होंने जहाज के चालक दल को सूचित किया, जिन्होंने उन्हें बताया कि जहाज से कुछ सिंगापुर जलडमरूमध्य में गिरा है। यह सिंगापुर के साथ मलक्का जलडमरूमध्य और दक्षिण चीन सागर के बीच 113 किलोमीटर लंबा और 19 किलोमीटर चौड़ा व्यस्त शिपिंग मार्ग है।

फिल्म जगत से जुड़े लोगों ने चलचित्र (संशोधन) विधेयक का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। भारतीय फिल्म जगत से जुड़े लोगों ने चलचित्र अधिनियम में संशोधन का स्वागत किया है। नए संशोधन में फिल्म चोरी और ऐसी सामग्री के प्रसार में शामिल लोगों के लिए अधिकतम तीन साल की जेल और फिल्म की लागत का पांच प्रतिशत तक जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। चलचित्र (संशोधन) विधेयक-2023 पिछले सप्ताह राज्यसभा द्वारा पारित किया गया था, जिसे सोमवार को लोकसभा द्वारा मंजूरी दे दी गई। प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (पीजीआई), प्रमाणन बोर्ड के प्रमुख प्रसून जोशी और निर्माता दिनेश विजान सहित तमाम लोगों ने इस संशोधन के लिए आभार व्यक्त किया। पीजीआई ने ट्वीट कर कहा, ''चलचित्र (संशोधन) विधेयक दोनों सदनों में पारित होने का हम स्वागत करते हैं और पायरेसी (फिल्म चोरी) के खिलाफ सख्त दंड निर्धारित करने वाले प्रावधानों के लिए विशेष रूप से आभारी हैं।'' ट्वीट में सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को टैग किया गया है। प्रसून जोशी ने ट्वीट किया, ''यह विधेयक फिल्म पायरेसी के मुद्दे पर सख्ती से निपटने दिशा में एक बड़ा कदम है।''

'कांतारा' और 'केजीएफ' के निर्माता होमेबल फिल्म्स ने कहा कि यह विधेयक बेहतर फिल्म प्रमाणन, पायरेसी की रोकथाम और कानूनों को सुसंगत बनाने की दिशा में एक कदम है।

एनटीआर जूनियर ने फिल्म 'देवरा' के लिए गहरे पानी में शूटिंग शुरू की

मुंबई/वार्ता

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार एनटीआर जूनियर ने हैदराबाद में फिल्म देवरा के लिए गहरे पानी के सीक्वेंस की शूटिंग शुरू कर दी है। हाल ही में हैदराबाद में फिल्म देवरा का एक्शन से भरपूर शेड्यूल पूरा करने के बाद, फिल्म के निर्माता अब एक और महत्वपूर्ण सीक्वेंस फिल्माने की तैयारी कर रहे हैं। मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर ने अब फिल्म देवरा के अगले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसमें एक विशाल जल दृश्य शामिल है जिसे हैदराबाद में ही फिल्माया जाएगा।

सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करते हुए, फिल्म के ऑफिसियल सोशल मीडिया हैंडल ने ट्वीट किया, बड़े पैमाने पर सीक्वेंस को निष्पादित करने के लिए एक छोटे से ब्रेक और कुछ रिहर्सल के बाद, हम आज से सेट पर वापस आ गए हैं। देवरा 'देवरा' कोराटाला शिव द्वारा निर्देशित, युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा निर्मित और नंदामुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म 05 अप्रैल, 2024 को रिलीज होने वाली है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है और आर रत्नावेलु सिनेमैटोग्राफर हैं।'देवरा' में जान्हवी कपूर और सैफ अली खान भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

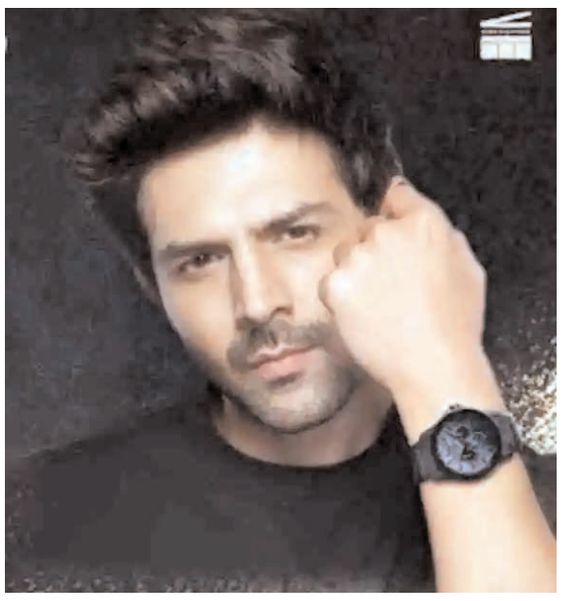

'चंदू चैंपियन' से कार्तिक आर्यन का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म चंदू चैंपियन से उनका फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। चंदू चैंपियन के साथ कार्तिक आर्यन पहली बार निर्देशक कबीर खान के साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का प्रोडक्शन नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत किया जा रहा है। फिल्म चंदू चैंपियन की कहानी एक खिलाड़ी की असाधारण असल जीवन की कहानी है, जिसमें उसकी कभी हार न मानने की भावना को दर्शाया गया हैं। कार्तिक इस फिल्म में चंदू का किरदार निभाएंगे। फिल्म चंदू चैंपियन से कार्तिक आर्यन का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। चंदू चैंपियन के पोस्टर में कार्तिक छोटे बाल और भारत का ब्लेजर पहने नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उनके चेहरे पर कुछ चोट के निशान भी दिख रहे है। फिल्म चंदू चैंपियन 14 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'ताली' के मेकर्स ने बताया, सुष्मिता सेन और श्रीगौरी सावंत के बीच का कॉमन फैक्टर

नई दिल्ली/एजेन्सी

'ताली' के निर्माता अर्जुन सिंह बरन और कार्तिक डी निशानदार ने बताया है कि कैसे सुष्मिता सेन और ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत एक कॉमन फैक्टर के कारण एक-दूसरे से जुड़े। सीरीज ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत की असल जिंदगी की कहानी पर बेस्ड है। सीरीज में सुष्मिता सेन के ट्रांसजेंडर अवतार को देखकर फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं। सुष्मिता और श्रीगौरी के बीच सामान्य संबंध कारक के बारे में बात करते हुए, दोनों ने कहा: एक लिंग के रूप में पहचाने जाने के लिए याचिका दायर करने की कल्पना करें। श्रीगौरी सावंत की कहानी से पता चलेगा कि उनके जैसे नागरिकों को कितनी बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कहा, एक इंसान के रूप में वह (गौरी सावंत) एक बड़ी प्रेरणा हैं, जिन्होंने न केवल सामाजिक चुनौतियों पर जीत हासिल की, बल्कि एक मृत एड्स रोगी की बेटी को भी गोद लिया। सुष्मिता और श्रीगौरी सावंत दोनों दत्तक माएं हैं, और इस कॉमन फैक्टर के कारण एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। सुष्मिता दो गोद ली हुई बेटियों की मां हैं। उन्होंने अपनी पहली बेटी रेनी को 2000 में गोद लिया था जबकि उनकी दूसरी बेटी अलीसा 2010 में परिवार में शामिल हुईं।

निर्माता को उम्मीद है कि यह सीरीज ट्रांसजेंडर नागरिकों के लिए अधिक समावेशी समाज की आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा। उन्होंने कहा कि टीज़र 'ताली' में सुष्मिता के शानदार प्रदर्शन की एक झलक पेश करता है। श्रीगौरी सावंत के संघर्षों और उनका जुनून हर सीन में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। दोनों ने आगे सुष्मिता को शानदार एक्ट्रेस बताते हुए कहा कि वह जो भी किरदार निभाती हैं उसे अपने अंदर समाहित कर लेती हैं। उन्होंने कहा, उनकी आवाज असाधारण है, साथ ही जटिल विषयों की उनकी समझ भी असाधारण है। यही कारण है कि जब वह कोई डायलॉग बोलती हैं, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, लोग पूरे ध्यान से सुनते हैं। फिल्म निर्माता रवि जाधव द्वारा निर्देशित, स्क्रिप्ट क्षितिज पटवर्धन द्वारा लिखी गई है। शो का निर्माण अर्जुन सिंह बरन, कार्तिक डी निशानदार और अफीफा नाडियाडवाला द्वारा किया गया है। इसमें अंकुर भाटिया, ऐश्वर्या नारकर, हेमांगी कवि, सुव्रत जोशी, कृतिका देव, नितीश राठौड़, मीनाक्षी चुघ और शान कक्कड़ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

पंडित हरिप्रसाद चौरसिया को पसंद आयी वेबसीरीज दो गुब्बारे

मुंबई/वार्ता

सुप्रिसद्ध बांसुरी वादक और संगीतकार पंडित श्री हरिप्रसाद चौरसिया को वेबसीरीज दो गुब्बारे बेहद पसंद आयी है। जियो स्टूडियोज की वेब सिरीज दो गुब्बारे हाल ही में जियो सिनेमा पर रिलीज हुई है। इस सीरीज की कहानी इंदौर की पृष्ठभूमि पर आधारित है। कहानी की बात करें तो नौकरी के लिहाज से जब अपने शहर से दूसरे शहर में आया युवक, बुजुर्ग मकान मालिक के साथ किराए पर रहने लगता है, तो किस तरह से उनके बीच रिश्तों का एक प्यारा सा बंधन का बंध जाता है, जिंदगी के इसी फलसफे की कहानी दो गुब्बारे है। पंडित श्री हरिप्रसाद चौरसिया को भी यह प्यारी सी कहानी बेहद पसंद आ गई है और उन्होंने अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा है , मैं आश्चर्यचकित हूं कि इतनी प्यारी सहजता से भरी कहानी कितनी सादगी से बनी है। मैं बहुत सालों से संगीत के माध्यम से फिल्मों से जुड़ा हूं और ऐसे में ऐसी कहानियां देखना अदभुत है। लेखिका कल्याणी द्वारा लिखी यह कहानी काफी खूबसूरत है। इसका संगीत, निर्देशन लाजवाब है, मैंने काफी वर्षों के बाद ऐसी कहानी देखी। सभी टीम को बहुत सारा आशीर्वाद और मैं आशा करता हूं कि ऐसी कहानियां आगे भी बनती रहें। वरुण नार्वेकर के निर्देशन में बनी दो गुब्बारे में डॉ. मोहन आगाशे और सिद्धार्थ शॉ ने मुख्य भूमिका निभायी है।

उम्र मत देखो, किरदार को देखो, रजनीकांत के साथ काम करने पर बोली तमन्ना

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' 10 अगस्त को रिलीज होगी। दोनों ही कलाकार साउथ फिल्म इंडस्ट्री में छाए हुए हैं। फिल्म के डायरेक्टर नेल्सन दिलीप कुमार हैं। यह फिल्म 250 करोड़ के बजट में बनी है और इसमें मोहनलाल भी कैमियो करते दिखेंगे।

तमन्ना को पहली बार रजनीकांत संग स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला है और वे इससे काफी खुश हैं। यह पहली बार नहीं है कि तमन्ना अपने से 35-40 साल बड़े किसी अभिनेता के साथ काम कर रही हैं। इससे पहले वे चिरंजीवी के साथ भोला शंकर में काम कर चुकी हैं। चिरंजीवी 67 साल के हैं। वे तमन्ना से 34 साल बड़े हैं। भोला शंकर आगामी वर्ष प्रदर्शित होगी।

हालांकि फैंस को यह अटपटा लग रहा है और वे इसके लिए सोशल मीडिया पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल रजनीकांत 72 साल के हैं, जबकि तमन्ना की उम्र 33 साल है। यानी उनमें 39 साल का फासला है। इस कारण यह जोड़ी लोगों को हजम नहीं हो रही। अब तमन्ना ने इस बारे में जवाब दिया है। तमन्ना ने कहा कि सब उम्र का अंतर क्यों देख रहे हैं। हमें कलाकार के तौर पर क्यों नहीं देखा जा रहा? हम स्क्रीन पर जो किरदार निभा रहे हैं, वह देखना चाहिए।

उम्र की बात की जाए तो 60 पार उम्र में भी टॉम क्रूज शानदार एक्शन कर रहे हैं। मैं खुद भी उम्रदराज होने के बाद भी डांस नंबर करना चाहूंगी। उम्र से क्या फर्क पड़ता है। गौरतलब है कि तमन्ना 'जेलर' के बाद 'भोला शंकर' फिल्म में दिखेंगी। इसमें मुख्य हीरो चिरंजीवी हैं और उनकी उम्र भी 67 साल है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 02-08-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जैन धर्म कहता है चित्त को स्थिर करने के लिए चित्त के संक्लेशों का नाश करना होगा। कुछ लोग चित्त का नाश करना ही ध्यान साधना मानते है। परंतु वास्तव में चित्त कोई भला या बुरा नहीं होता, संक्लेश ही भले बुरे होते हैं। तीन चीजों को प्रारंभिक स्तर पर दबा देना चाहिए वे है ऋण, रोग और दुराचार यानी गलत व्यवहार। वहां किसी तरह की राह नहीं देखनी चाहिए। यदि इन्हें उपेक्षित करेंगे तो वे चार गुणा बढ़ेंगे। मन को नियंत्रण करने की कला विज्ञान के पास भी नहीं है। परंतु ज्ञान, ध्यान एवं भावनाओं द्वारा मन पर विजय पाए सकते हैं।

तप आध्यात्मिक जीवन की आधार-शिला है : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्य श्री देवेन्द्रसागरसूरिजी मुनि श्री महापद्मसागरजी म. सा. की निश्रा में सुमतिवल्लभ नॉर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में ममता देवी किरणकुमार का मंगलवार को मासोपवास यानी की एक महीने के उपवास का पारणा बड़े ही भावोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ। आचार्यश्री का सुबह बैंड बाजे के साथ तपस्वी के निवासस्थान पर सकल श्री संघ के साथ पगलिया हुआ। आचार्यश्री ने तप की महिमा को विस्तार से समझाते हुए कहा कि तप आध्यात्मिक जीवन की आधार-शिला है। तपस्वियों के जीवन की साधारण घटना भी आम आदमी के लिए आश्चर्य व कौतूहल का विषय बन जाती है। तपस्वी अपने जीवन की दशा स्वयं निर्धारित करते हैं, जबकि सामान्य व्यक्तियों का जीवन पूर्णत: परिस्थितियों के अधीन होता है।

तपस्वी तप की ऊर्जा से परिस्थिति की प्रतिकूलता को भी अपने अनुकूल बना लेते हैं। वस्तुत: तप करना या तपश्चर्या एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसकी कुछ मर्यादाएं हैं। सनक में आकर कुछ भी करते रहने का नाम तप नहीं है। नमक न खाना, नंगे पांव चलना, भूखे रहना आदि से शारीरिक कष्ट तो अवश्य होता है, किंतु कोई आध्यात्मिक लाभ नहीं प्राप्त होता। सुनिश्चित संकल्प के साथ तपश्चर्या पर अमल गुरु के निर्देशन में ही करना चाहिए। तप से हमारे सुप्त संस्कारों का जागरण होता है और यह जागरण हमारे आध्यात्मिक विकास को गति देता है। तप का उद्देश्य मात्र ऊर्जा का अर्जन ही नहीं, उस ऊर्जा का संरक्षण व सुनियोजन भी है। जो अपनी ऊर्जा को संरक्षित कर लेता है वह साम्र्थ्यवान हो जाता है। तपश्चर्या कोई चमत्कार न होकर स्वयं का परिष्कार है। जहां परिष्कार है वहां चमत्कार स्वत: होते हैं, क्योंकि परिष्कार से चित्ता ऊर्जावान होता है। अहंकार तप के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। तपस्या किए बगैर किसी को सिद्धि प्राप्त नहीं होती। इतिहास साक्षी है कि जैन धर्म के तीर्थंकर महावीर स्वामी को ज्ञान की प्राप्ति बारह वर्ष की कठोर तपस्या के बाद ही हुई थी।

सात दिवसीय श्रीमद् शिवपुराण कथा कल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। यहां दादी परिवार द्वारा पुरुषोत्तम मास (अधिकमास) में सात दिवसीय श्रीमद् शिवपुराण कथा 3 से 9 अगस्त तक की जा रही है। परिवार की अध्यक्ष शीला शाह ने बताया कि केपीएन कॉलोनी संगीता थियेटर के पास पंडीआर कल्याण मंडपम में 3 अगस्त से प्रतिदिन दोपहर 3.30 बजे से 7.30 बजे तक कथा होगी। कथा में व्यासपीठ से अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक देवी हेमलता शास्त्रीजी (मथुरा) अपनी अमृतमयी वाणी से शिव महापुराण कथा की गंगा प्रवाहित करेंगी। सात दिवसीय इस कार्यक्रम की तैयारियां जोरो से चल रही हैं। दादी परिवार की अध्यक्ष शीला शाह के नेतृत्व में प्रभा तोदी, सरोज पित्ती, सुमन गुप्ता, चंदा डिडवानिया, मधु चौधरी, छाया परमानंदका, मिनाक्षी सरावगी, वीरा कामदार, मनीषा अग्रवाल, मंजु जैन, सरीता तुलस्यान, अर्पिता पित्ती आदि तैयारियों में जुटी हुई हैं।

शिविर में 1220 जन हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन मेडिकल रिलीफ सोसायटी द्वारा संचालित आंची बाई हेमराज कटारिया डायलिसिस सेंटर पेरम्बूर में जुलाई में 344 डायलिसिस किए गए। वहां पर बुरड़ डेंटल केयर में 394 लोगों का दांतों का इलाज किया गया तथा बोहरा डायग्नोस्टिक सेंटर में 93 जनों का बीपी सुगर व अन्य लेब जांच की गयी। केसरियानाथ औषधालय में 389 मरिजों की सामान्य जांच कि गयी। चेयरमैन महेंद्र कुंकुलोल, सेक्रेटरी ज्ञानचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष सुशील ओस्तवाल एवं अन्य पदाधिकारीगण सेवाएं प्रदान कर रहे है।

ज्ञान, ध्यान एवं भावनाओं द्वारा मन पर विजय पा सकते हैं : आचार्य उदयप्रभ सूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक जैन संघ में विराजित योगनिष्ठ आचार्य केशरसूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी म.सा. ने अध्यात्म कल्पद्रुम ग्रंथ का विवेचन करते हुए कहा जैन धर्म कहता है चित्त को स्थिर करने के लिए चित्त के संक्लेशों का नाश करना होगा। कुछ लोग चित्त का नाश करना ही ध्यान साधना मानते हैं। परंतु वास्तव में चित्त कोई भला या बुरा नहीं होता, संक्लेश ही भले बुरे होते हैं। तीन चीजों को प्रारंभिक स्तर पर दबा देना चाहिए वे है ऋण, रोग और दुराचार यानी गलत व्यवहार। वहां किसी तरह की राह नहीं देखनी चाहिए। यदि इन्हें उपेक्षित करेंगे तो वे चार गुणा बढ़ेंगे। मन को नियंत्रण करने की कला विज्ञान के पास भी नहीं है। परंतु ज्ञान, ध्यान एवं भावनाओं द्वारा मन पर विजय पाए सकते हैं।

आचार्यश्री ने कहा मन पर विजय प्राप्त करने के उपाय अध्यात्म कल्पद्रुम ग्रंथ में बताए गए हैं वे है दमन, शमन, खमन और अंत। अपने मन के सकारात्मक एवं नकारात्मक पासे है, तर्क ८ चिंतन सकारात्मक पासे है, तो क्लेश व कल्पना नकारात्मक पासे है। अच्छे तर्क एवं सुन्दर चिंतन से मन को जोड़ते रहेंगे तो धीरे धीरे मन का दमन होगा। इसी तरह सुंदर कथाओं का श्रवण करेंगे तो मन का शमन होगा। साधनों के कारण श्रावक-श्राविका साधु- साध्वी से ज्यादा तप करते हैं। आप कोई भी आयोजन करो, उस आयोजन के मार्ग को सुनते रहना। मन के दमन करने के पांच प्रकार है प्रणिधान, प्रार्थना, प्रयोग, परावर्तन और परिवर्तन। परावर्तन यानी पुनरावृत्ति करना। परिवर्तन यानी बदलना। साधु सुबह उठने के साथ पूरे दिन परिवर्तन से निकालता है। परिवर्तन से मन स्थिर रहता है। मन का स्वभाव है उसको चेंज चाहिए। ज्ञानी कहते हैं मन की साधना अंतिम मुहूर्त तक होती है लेकिन उसका इनाम आगे तक मिलता है। ज्ञानी कहते हैं इस पिशाच रूपी मन की बातों में नहीं आना। संसार सागर में मुश्किल से तीर्थंकर परमात्मा पायलट के रूप में मिले हैं, गुरु मार्गदर्शन के रूप में मिले हैं। जीवन में कोई आकर्षण, प्रलोभन मिले तो सोच कर आगे बढ़ना चाहिए। शत्रु के साथ को भी उपकारी की नजर से देखना चाहिए। गलत काम करने की इच्छा भी हो जाए तो प्रभु का स्मरण करना या सज्जन लोगों की राय लेना। दुर्जनों से प्रेम से और सज्जनों से मूल्यों के आधार पर बात करनी चाहिए। समकिति देव समकिति आत्मा की रक्षा करते हैं। दु:ख से ज्यादा सुख में सचेत ज्यादा रहना चाहिए।

पारिवारिक निर्वाह एवं रक्षा के लिए तीन वस्तु कम से कम होनी चाहिए वे है वाटर कनेक्शन, इलेक्ट्रिसिटी कनेक्शन आदि। वैसे पारिवारिक समाधान हेतु तीन चीजें अवश्य होनी चाहिए वे है प्रेम, कृतज्ञता और विवेक। सुख काल में सत्व, पुण्य और धर्म का ध्यान रखना चाहिए।

कृष्णोत्सव समारोह ने सभी को बांधे रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वन बंधु परिषद का भव्य आयोजन कृष्णोत्सव आज संपन्न हुआ। दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि एन कुमार सन्मार्ग ग्रुप के चेयरमैन, सम्मानित अतिथि इस्कॉन के रामचरण दासजी एवं एकल के अधिकारियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। चेन्नई इकाई के अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने सभी का स्वागत किया, शिवकुमार गोयंका कार्यक्रम के चेयरमैन ने सभी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए स्वागत, धन्यवाद दिया।

सचिव गिरी बागडी ने संपूर्ण भारत में एकल के अद्भुत कार्य का परिचय चलचित्र के माध्यम से सभा को और द्वारा प्रकाश ध्वनि दृश्य मंच में प्रस्तुत किया। तमिलनाडु प्रदेश के एकल विद्यालय से संपूर्ण कार्यकर्ता, शिक्षिका, प्रभारी सभी का मंच पर सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि एन कुमार ने एवं सम्मानित अतिथि राम चरण दासजी इस अविस्मरणीय कार्य कि अंतर हृदय से सराहना की। स्मृति चिन्ह और माला द्वारा सभी दानदाताओं का अभिवादन किया, जिनके माध्यम से यह वन बंधु परिषद सक्षम रुप से इस भगीरथ कार्य को कर पा रहे हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में, विनोद जैन, विवेक बम, महिंद्र कुंकुलू, दौलतराज बांटिया, अजय नाहर, कमल फलोर, डी.आर डागा, अरुण राठौर, ललित कटारिया और मंच का संचालन विजय गोलेछा इन सभी का विशेष योगदान रहा। हनुमान चालीसा के ऊर्जावान नृत्य की प्रस्तुति के पश्चात चेन्नई महानगर में प्रथम बार कृष्णोत्सव नृत्य नाटिका अद्भुत, अविस्मरणीय प्रस्तुति पूरी तरह भरे हुए सभागार में भावुकात्मा के साथ बिना हिले पूरे 2 घंटे एक ही जगह बैठकर संपूर्ण आनंद लिया। यह संपूर्ण प्रस्तुति दिल्ली से 45 जनों का समूह डांस स्मिथ नामक प्रतिष्ठान द्वारा प्रस्तुत किया गया।

सुख का मूल धर्म है तो दुख का मूल पाप : साध्वी चैतन्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरुषवाकम स्थित एएमकेएम में विराजित साध्वी श्री चैतन्यश्री म.सा.ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने अपने जीवन को शुद्धि से सिद्धि की ओर ले जाने वाले छह आवश्यक कार्य बताए हैं। उनमें से प्रत्याख्यान यानी अपने आप को नियम में लाने के लिए आवश्यक करने वाला कार्य बताया है। प्रत्याख्यान का फल इच्छा का निरोध होता है। पापों का नाश और तृष्णा रहित व्यक्ति होकर परम शांति को प्राप्त करता है, पर वह नियम भी समझ पूर्वक लिए जाने चाहिए किसी की देखा देखी, लालच आवेश में आकर नहीं लेना है। अंबड सन्यासी ने आज्ञा लेकर कोई चीज लेने का नियम लिया था। प्रतिज्ञा से डरना नहीं है, उसमें श्रद्धा होनी चाहिए। पापाचरण का पश्चाताप रोते-रोते करना और पाप त्याग की प्रतिज्ञा हंसते-हंसते करना। आज हमारे जीवन में प्रतिज्ञा का बड़ा महत्व होता है, इसके कारण पूर्व के कर्म क्षय होते हैं।

पुण्य हमारे पास हैं तो हमें सभी वह भोग वस्तुएं प्राप्त हो सकती हैं किंतु धर्म प्राप्त होना बहुत दुर्लभ हैं सुख का मूल धर्म है तो दुख का मूल पाप हैं जब कष्ट विपत्ति दुख आये तो समझना यह मेरे ही पाप का फल है जो मैने बोया है वही मिल रहा है इसलिए दुर्लभ धर्म के महत्व को समझना चाहिए हमारे रोम-रोम में धर्म के प्रति आस्था एवं प्रेम होना चाहिए वस्तु के स्वभाव ही धर्म हैं आत्मा का स्वभाव क्षमा, सरलता तथा संतोष हैं पर क्या हम इस स्वभाव में हैं या अपना स्वभाव छोड़कर रहते हैं यह चिंतनीय विषय है नीम का स्वभाव कड़वा है आम का स्वभाव मीठा है वह अपना स्वभाव नहीं छोड़ते हैं तो हम क्यों अपना स्वभाव को छोड़ रहे हैं जिस धर्म की चाहना देवों के देव भी करते हैं इंद्र भी करते हैं वह धर्म हमें मिला है धर्म यह आकाश जैसा है आकाश कभी टुकड़ा या उसका विभाग नहीं किया जा सकता वैसे ही धर्म कभी टुकड़ों मे नहीं बांट सकते उसका विभाग नहीं कर सकते धर्म की आराधना उपयोग पूर्वक करना है धर्म में अगर आपका मन नहीं लग रहा वह तो समझ लेना पाप का उदय हुआ है अगर जिनवाणी जीवन में उतर रही है तो समझ लेना कि पुण्य का प्रभाव है।

आज की धर्म सभा में पारसीबाई रांका के 31 तपस्या मासक्षमण के प्रत्याखयान हुए तपस्यार्थि का स्वागत के उपलक्ष में तारक मेहता का उल्टा चश्मा नाटक के माध्यम से तपस्या को प्रोत्साहित किया गया संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने यह जानकारी दी।

चेन्नई अणुव्रत समिति की नवगठित टीम का शपथग्रहण

ललित आंचलिया बने अध्यक्ष और स्वरूप चन्द दाँती मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वी लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा भवन, साहूकारपेट में अणुव्रत समिति की नवगठित टीम का शपथग्रहण समारोह समायोजित हुआ। अणुव्रत गीत से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। नवगठित टीम को आध्यात्मिक बधाई देते हुए पाथेय प्रदान करते हुए साध्वी लावण्यश्री ने कहा कि गणाधिपति गुरुवर तुलसी का मानव में मानवता का विकास हो, वह संयम, सादगीमय जीवन जीये। समाज में शांति का वातावरण हो, उसी के मद्देनजर अणुव्रत आन्दोलन का सुत्रपात किया। किसी भी धर्म सम्प्रदाय का व्यक्ति जो शाकाहारी, नशामुक्त है, नैतिकता में विश्वास रखता है, वह इस से जुड़ सकता है। उस आन्दोलन का यह अमृत महोत्सव, हीरक जयन्ती वर्ष (75 वॉ साल) है। अणुव्रत समिति की यह नवगठित टीम स्वयं अणुव्रत को आत्मसात करते हुए जन जन में अणुव्रत का शंखनाद करें।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए सुरेश तातेड़ ने नवगठित टीम के पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया।

अध्यक्ष ललित आंचलिया, उपाध्यक्ष वरिष्ठ अरिहंत बोथरा, उपाध्यक्ष कनिष्ठ मुकेश मुथा, मंत्री स्वरूप चन्द दाँती, सहमंत्री प्रथम अशोक छल्लाणी, सहमंत्री द्वितीय विजयराज गेलड़ा, कोषाध्यक्ष पंकज चौपड़ा, संगठन मंत्री कुशल बांठिया, प्रचार प्रसार मंत्री गुणवंती खांटेड़, का अनुठे ढ़ंग से परिचय दिया और सभी सदस्यों को मंच पर आमंत्रित किया।

अणुव्रत समिति पूर्वाध्यक्ष सम्पतराज चोरड़िया ने सभी को शपथ दिलवाई। शपथ ग्रहण समारोह जैन संस्कार विधि से जैन संस्कार पदमचन्द आंचलिया ने सम्पूर्ण मंगलमंत्रोच्चार के साथ करवाया। तेयुप अध्यक्ष दिलीप गेलड़ा, मंत्री कोमल डागा ने सहयोगी की भूमिका निभाते हुए सभी को तिलक लगाया और मौली बांधी। अध्यक्ष ललित आंचलिया ने टीम को बधाई देते हुए सभी के सहयोग के लिए आह्वान किया। आभार ज्ञापन मंत्री स्वरूप चन्द दाँती ने दिया। तत्पश्चात अणुव्रत समिति की टीम ने ट्रिप्लीकेन में विराजित साध्वीश्री शिवमालाजी के दर्शन उपासना का लाभ लिया।

सोच और दृष्टि सम्यक हो जाए मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मनुष्य की सोच सम्यक ओर दृष्टि सम्यक हो तो आत्मा मोक्ष प्राप्त करवा सकता है। मंगलवार को साहूकार पेठ के मरूधर केसरी दरबार में साध्वी धर्मप्रभा ने श्रध्दालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो आत्मा आत्मा में लीन है वही वस्तुत: सम्यक दृष्टि है। हमारी दृष्टि मे परिवर्तन हो जाए तो जागरण हो जाएगा। जब जागरण हो जाता है तो हमें सम्यक दृष्टि प्राप्त हो जाएगी। एक सम्यक दृष्टि जीव कितने ही व्यक्तियों की जिंदगी को बदल देता है। जिन जीवों का संसार अर्थ पुद्गल परावर्तन से कम हो किंतु राग द्वेष रूप ग्रंथि का वेतन नहीं हुआ हो तो वह जीव सम्यक दर्शन नहीं प्राप्त कर सकते हैं। राग द्वेष की तीवता सम्यक की घातक है जिस समय में सहज स्वभाव से उपशम भाव पैदा होते है तब मोह आदि दोष दूर होते है। ओर सम्यकत्व प्रकट होता है। सम्यक दृष्टि जीव वाद विवाद पर निंदा ओर राग देवेश नहीं करता, शांत दांत और गुणवंत होता है जैसे कीमती औषधि उपस्थित सेवंथ करने वाले लाभ नहीं देती है उसी प्रकार ऊंची भक्ति साधना भी सम्यक्त्व के अभाव मे फल नहीं देती है।

सम्यक दृष्टि जीव गुणानुरागी होता है अर्थात दूसरों के अवगुण नहीं देखता है सिर्फ अपने ही गुणों देखता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने धर्मसभा में कहा कि जब मनुष्य के अज्ञान का अंधकार दूर नहीं होगा तब जीवन में ज्ञान का प्रकाश नहीं होने वाला है। जब ज्ञान का प्रकाश जीवन हो जाएगा तो व्यक्ति अज्ञान में नहीं भटक पाएगा।

धर्म की सुरक्षा ही स्वयं की सुरक्षा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट के राजेन्द्र भवन में मुनि डॉ. वैभवरत्नविजयजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि यदि हमें जीवन में धर्म रक्षा, राष्ट्र रक्षा करनी है तो सर्वप्रथम धर्म, राष्ट्र को सत्य रूप से समझना चाहिए। जो मानव धर्म, राष्ट्र, समाज, परिवार की महत्वता समझता है वह उनके हित के लिए सब कुछ बलिदान दे ही सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे मन में पैसा, हीरा, सोना का महत्व होता है इसलिए सुरक्षा होती है वैसे ही जीव की, धर्म की महत्वता होगी तो उसकी सुरक्षा भी होगी। हमारे (शरीर, वचन, मन) का उपयोग यदि धर्म की श्रेष्ठता के लिए हो रहा है तो (शरीर, वचन, मन) निखर जाएगा और नहीं हुआ तो बिखर जाएगा। धर्म की सुरक्षा ही वास्तविकता से स्वयं की सुरक्षा है। जब तक जान है तब तक जहान है यानी जब तक हमारे भीतर में प्रभु का ज्ञान है तब तक हमारा जीवन सुख, शांति, समाधि वाला ही होगा। प्रभु महावीर स्वामी ने इंसान का जीवन ही सर्वश्रेष्ठ जीवन कहा है क्योंकि मानव चाहे तो वह भगवान का अवतार रूप हो ही सकता है। जिन लोगों ने भोजन का मोह, संसार के सुखों को त्याग किया है और सन्यास जीवन लेते हैं वह लोग इस पृथ्वी के साक्षात भगवान है।

श्री राजेंद्र सूरीश्वर म. सा. ने जगत को समझाया कि हमारे जीवन में यदि धर्म की रक्षा, शासन की रक्षा, राष्ट्र की रक्षा का जुनून है तू ही हमारा जीवन सफल होगा।

जरूरत के हिसाब से समझ कर बोलें : जय तिलकमुनि

चेन्नई। नार्थ टाउन में श्री जयतिलक मुनिजी ने प्रवचन में कहा कि भगवान ने संसार को अनित्य भावना का उपदेश दिया संसार में कुछ भी अपना नहीं है चाहे शरीर पति, पत्नी, दास, घर कोई भी अपने नहीं पर जब मोह का उदय होता है तो ये सब अपने लगते है। शरीर, परिवार आदि कि कितनी भी सार-सम्भाल कर लो ये अपने नहीं है इसलिए भगवान कहते है कि संसार में अनासक्त रहो जिससे आसक्ति छूटेगी और वैराग्य उत्पन्न होगा तभी मोक्ष की ओर अग्रसर होंगे। जैसे नाटक में राजा का किरदार निभाने वाला जानता है नाटक में मेरे जो सैनिक है, मंत्री है, धन है, पत्नी है, बेटा है वो सिर्फ किरदार निभाने तक मेरे है वास्तव में मेरे नहीं है। वैसे ही संसार में हर व्यक्ति नाटक के किरदार के समान है। वैसे ही संसारी रंगमंच मे, जैसे ही पात्रता समाप्त, सारे पात्र भी इसी संसार में रह जायेंगे जैसे रात का स्वप्न, स्वप्न माना जाता है और दिन में देखा गया स्वप्न स्वप्न नहीं क्योंकि खुली आंख से देखा गया है। ज्ञानी जन कहते है कि दोनों स्वप्न सच नहीं है। जैसे पुराने जमाने में भिखारी को कच्ची सामग्री दी जाती थी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.